दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्षः 31 | अंकः 206 | भोपाल, मंगलवार 11 अगस्त 2026 | पृष्ठः 08 | मूल्यः 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

कुटीर एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की ग्लोबल मार्केटिंग के करेंगे समस्त प्रयास : मुख्यमंत्री

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के पोर्टल को मिला देश में पहला स्थान

प्रदेश के बुनकर, शिल्पकार और कलाकारों की समृद्धि के लिए सदैव तत्पर सरकार

- मृगनयनी डॉट कॉम और ओडीओपी मार्ट एमपी ई-कॉमर्स पोर्टल्स का किया शुभारंभ
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय समारोह में 15 बुनकरों और शिल्पियों को किया पुरस्कृत और सम्मानित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इन उद्योगों से जुड़े भारत के सभी बुनकरों, शिल्पकारों, मूर्तिकारों और अन्य कलाकारों के परिश्रम को पूरा सम्मान दिलाने का संकल्प लिया है। हमारी सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिये सभी परिश्रमी किसानों, हुनरमंद बुनकरों, समर्पित शिल्पियों और बेहतरीन ग्रामीण कलाकारों को सम्मानित करने के लिये हरसंभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ऐसे कई कलाकार हुए हैं, जिन्होंने मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को विश्व पटल पर सुशोभित किया है। हमारी सरकार सभी कलाकारों की समृद्धि के लिए सदैव तत्पर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल टू ग्लोबल' का महामंत्र दिया है। हमारी सरकार प्रधानमंत्री के इसी महामंत्र के अनुसार ठोस कदम उठा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में हाथकरघा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित बुनकरों एवं शिल्पियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की हाथकरघा और हस्तशिल्प परम्परा को समृद्ध करने वाले प्रदेश के 15 श्रेष्ठ शिल्पियों और बुनकर को विभिन्न पुरस्कार श्रेणी में सम्मानित कर उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्जवलित कर इस बुनकर-शिल्पी सम्मान समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने बुनकर-हस्तशिल्प प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं मिट्टी से शिवलिंग (पिंडी) भी बनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कुटीर एवं

ग्रामोद्योग विभाग द्वारा तैयार किए गए 2 वेब कॉमर्स पोर्टल - मृगनयनी और ओडीओपी मार्ट एमपी नामक ई-कॉमर्स पोर्टल्स का शुभारंभ किया। विभागीय पोर्टल को देश में प्रथम स्थान मिलना उल्लेखनीय उपलब्धि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी बुनकरों, सूक्ष्म एवं लघु उद्योग से जुड़े कलाकारों और विशेष तौर पर ओडीओपी उत्पादों को ग्लोबल मार्केट से जोड़ने के लिए 2 ई-कॉमर्स वेब पोर्टल्स की शुरूआत की गई है। इसी पोर्टल को देश में पहला पुरस्कार मिला है। यह राज्य सरकार और कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के लिए बड़ी उपलब्धि है। ई-कॉमर्स पोर्टल से मृगनयनी इंपोरियम के प्रोडक्ट्स की डिलीवरी देश के 16 हजार से अधिक स्थानों पर सुनिश्चित हो रही है। पहले चरण में मृगनयनी पोर्टल पर 460 से अधिक उत्पाद पोर्टल पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंदेरी का कुर्ता, महेश्वर की साड़ी, बाग की शॉल और जरी का बैग सभी वस्तुएं प्रदेशवासियों को गौरव का अनुभव कराती हैं। युवा पीढ़ी को भी लुभा रहे हैं कुटीर एवं ग्रामोद्योग उत्पाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों के अथक परिश्रम से उपजे से बुनकर कपड़ा, बुटिक और खादी तैयार करते हैं। खादी मध्यप्रदेश की विशेष पहचान रही है। मध्यप्रदेश आज सभी क्षेत्रों में तेज गति से आगे बढ़ रहा है, लेकिन हाथकरघा और शिल्पकला को प्रोत्साहन पर विशेष जोर देने की आवश्यकता है। वे अपने खून-पसीने और अथक परिश्रम से समृद्ध परंपरा और कला को संरक्षित करते हुए आगे कर रहे हैं। शिल्पकार और कलाकारों के हाथों में चमत्कारिक प्रतिभा होती है। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर ने लगभग 250 वर्ष पूर्व महेश्वरी साड़ी के माध्यम से देशभर के बुनकरों को संरक्षण प्रदान किया। चंदेरी, इंदौर और उज्जैन प्रत्येक शहर में बुनकर और शिल्प कलाकारों को अनेक अवसर मिल रहे हैं। वर्तमान युवा पीढ़ी भी अब कुटीर एवं ग्रामोद्योग के उत्पादों को अपना रही है। अब भोपाल और इंदौर के प्रमुख बाजारों में ये उत्पाद उपलब्ध हो रहे हैं। अब नए पोर्टल्स के शुभारंभ से यह उत्पाद ऑनलाइन शॉपिंग के लिए युवाओं के लिए उपलब्ध होंगे। ओडीओपी उत्पादों में भी हम चंदेरी की साड़ी, सीधी की दरी, उज्जैन का बटिक, धार का बाग प्रिंट को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रदेश के 7 जिलों के कारीगरों द्वारा निर्मित 2 हजार से अधिक उत्पादों की देशभर में आपूर्ति की जा रही है। बाजार में इन उत्पादों की मार्केटिंग के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए सरकार साथ है।

झारखंड में छात्रों पर लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले दागे

विधानसभा के 100 मीटर पास पहुंचे, बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश, जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष गिरफ्तार

छात्र बोला- पुलिस ने हमारे सिर पर लाठियां बरसाई

लाठीचार्ज पर एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि पुलिस ने बैरिकेडिंग के पास विरोध कर रहे छात्रों पर बर्बर लाठीचार्ज किया है। लाठी का इस्तेमाल सिर्फ कमर के नीचे किया जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने हमारे सिर, हाथों, चेहरे और शरीर के बाकी हिस्सों पर भी वार किया। यह सरकार के दोहरे रवैये को दिखाता है।

लाठीचार्ज में छात्र का सिर फटा

विधानसभा के पास पुलिस लाठीचार्ज में छात्र के सिर पर चोट आई है। घायल छात्र विक्रम कुमार ने कहा, हेमंत सोरेन जी, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए था। हम शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे थे। हमने कोई गाली-गलौज भी नहीं की थी। अचानक पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। यह ठीक नहीं है।

रांची। झारखंड के रांची में जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में धांधली के खिलाफ हजारों की संख्या में छात्र विधानसभा के करीब पहुंच गए हैं। वहीं पर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान कई बार पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की नौबत आई। दो से तीन बार लाठीचार्ज करना पड़ा। इसमें कुछ छात्रों के सिर पर चोटे आई हैं। प्रदर्शनकारियों ने जवाब में पानी की बोतल और चप्पलें फेंकीं। हजारों की संख्या में छात्र सुबह 10 बजे ओल्ड विधानसभा के पास एकत्रित हुए और फिर विधानसभा के घेराव के लिए निकले। पुलिस ने इन्हें रोकने के लिए कंटीले तार की बैरिकेडिंग कर रखी थी। 6 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। पुलिस ने जैसे ही वाटर कैनन का इस्तेमाल किया छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए। कुछ छात्रों ने राष्ट्रगान गाया। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। इधर, सीआईडी ने जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते को गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को जेपीएससी ऑफिस में रेड के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। सीआईडी उनसे लगातार पूछताछ कर रही थी। झारखंड जेपीएससी-एसएससी की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर 17 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। देवेंद्रनाथ महतो समेत 6 छात्र भूख हड़ताल पर हैं। वे एंबुलेंस से विधानसभा घेराव में शामिल हुए। **छात्र नेता बोले-** यह आंदोलन रुकने वाला नहीं : छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि यह आंदोलन रुकने वाला नहीं है। यह एक जन-आंदोलन बन गया है। युवा शब्द को उल्टा करने पर वायु बनता है और वायु को कोई नहीं रोक सकता। इस विधानसभा मार्च में छात्रों का दर्द देख सकते हैं। 9 दिन की भूख हड़ताल के बाद भी मैं एंबुलेंस से यहां आया हूं और स्ट्रेचर पर इस मार्च का हिस्सा बना हूं। लेकिन यह सरकार हमारी आवाज दबा रही है और वॉटर कैनन व आंसू गैस के गोले इस्तेमाल कर रही है। यह निंदनीय है। सरकार डरी हुई है। यह कायर सरकार है। सरकार के साथ हमारी 3 दौर की बातचीत हुई है, उन्हें हमारी मांगें पूरी करनी चाहिए। अगर छात्रों की मांगें पूरी नहीं हुईं, तो सीएम पद खतरे में पड़ जाएगा। सरकार हिल जाएगी, यह आंदोलन रुकने वाला नहीं है। बाबूलाल मरांडी ने कहा-पूर्व अध्यक्ष की गिरफ्तारी सिर्फ दिखावा : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स लिखा- जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. ख्यांगते की गिरफ्तारी सिर्फ दिखावा है।

शाह जंतर-मंतर लाठीचार्ज मामले पर संसद में जवाब देंगे

- रिजिजू बोले- विपक्ष को सुनना पड़ेगा, भाग नहीं सकते, विपक्ष गृहमंत्री के बयान पर अड़ा था

नई दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन और पुलिस एक्शन मामले पर सदन में जवाब देंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि शाह विस्तार से जवाब देंगे लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। उन्हें गृहमंत्री का जवाब बिना हंगामा किए सुनना पड़ेगा। हालांकि शाह कब बोलेंगे, रिजिजू ने इसकी जानकारी नहीं दी है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस एक्शन को लेकर विपक्ष लगातार गृहमंत्री के बयान की मांग कर रहा है। शाह संसद परिसर में नियमित रूप से आ रहे हैं, लेकिन उन्हें सदन में नहीं देखा गया है। मानसून सत्र 20 जुलाई से चल रहा है। 13 अगस्त को इसका समापन है। तीन हफ्ते के दौरान लगातार हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित हुई है। एंटी-पेपर लीक बिल पर बहस के अलावा किसी और मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026 को लोकसभा में 3 अगस्त को पेश किया था। 6 अगस्त को लोकसभा ने ध्वनिमत से पारित किया। राज्यसभा में यह बिल सोमवार को पेश हुआ और आज ही बिल पारित कर दिया। बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026 का मकसद बैंकों के रिकॉर्ड को अदालत में सबूत के तौर पर इस्तेमाल करने के नियमों को मौजूदा डिजिटल बैंकिंग व्यवस्था के हिसाब से अपडेट करना है।

गोगोई बोले- शाह के बयान पर सरकार ने स्पष्ट जवाब नहीं दिया कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने संसद के बाहर कहा कि शाह के बयान को लेकर सरकार की ओर से अब तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। गोगोई ने कहा- सरकार ने यह नहीं बताया कि वह अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट में कथित भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है या नहीं।

सार-समाचार

अभिषेक बनर्जी को विदेश जाने की मंजूरी दी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी को आंखों के इलाज के लिए तीन हफ्ते के लिए विदेश जाने की मंजूरी दे दी है। हर व्यक्ति को विदेश जाने और अपनी पसंद का इलाज चुनने का अधिकार है। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका कलकत्ता हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ दाखिल की गई थी, जिसमें उनके विदेश जाने पर लगी रोक से जुड़ी राहत देने से इनकार किया गया था।

कावेरी जल विवाद: सुको में 13 को सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 13 अगस्त को तमिलनाडु की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें कर्नाटक को 15 दिनों तक रोजाना 3,500 क्यूसेक कावेरी पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की गई है। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने 30 जुलाई को कर्नाटक को पानी छोड़ने का निर्देश दिया था। कर्नाटक इस आदेश का पालन नहीं कर रहा है। राज्य ने 15 दिनों में कुल 4.536 टीएमसी पानी छोड़ने की मांग की है। वहीं, डीएमके ने भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर कर्नाटक को तुरंत पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की है।

राज्य गीत तमिल थाई गाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। सीएम विजय ने तमिलनाडु में कार्यक्रमों की शुरूआत में राज्य गीत 'तमिल थाई वाझथुज्' अनिवार्य रूप से गाने का प्रस्ताव रखा। शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी दफ्तरों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में इसे लागू करने के प्रस्ताव को डीएमके-एआईएडीएमके और कांग्रेस ने समर्थन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'तमिल थाई वाझथुज् को राज्य में सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए और इसके सम्मान से समझौता नहीं होगा। यह गीत 2021 में तमिलनाडु के राज्य गीत का आधिकारिक दर्जा पा चुका है। यह प्रस्ताव केंद्रीय गृह मंत्रालय की 9 जुलाई की टिप्पणी के बाद आया है।।

चार्जशीट पर संज्ञान का फैसला 12 अगस्त को

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने के आदेश को टाल दिया है। कोर्ट अब 12 अगस्त को इस पर फैसला सुनाएगा। कोर्ट ने सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत भी 12 अगस्त तक बढ़ा दी है। आरोपी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए। वहीं, मंगलिलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल की पॉलीग्राफ, ब्रेन मैपिंग और लाई डिटेक्टर टेस्ट कराने की मांग वाली याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी।

गांधीनगर सचिवालय के बेसमेंट में आग लगी

नई दिल्ली। गुजरात के गांधीनगर में सचिवालय के ब्लॉक नंबर-9 के बेसमेंट में आग लग गई। फायर ब्रिगेड की टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। बेसमेंट में धुआं ज्यादा होने के कारण टीमों ने कूलिंग ऑपरेशन जारी रखा, ताकि आग दोबारा न भड़के। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

रैगिंग से परेशान होकर डॉक्टर ने किया सुसाइड

सूरत। सूरत के न्यू सिविल हॉस्पिटल में फर्स्ट ईयर के रेजिडेंट डॉक्टर हर्ष पंड्या ने रैगिंग से परेशान होकर सुसाइड कर लिया था। रैगिंग का आरोप सेकंड ईयर के चार सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर पर लगा है। फिलहाल इन्हें छह महीने के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। साथ ही उन्हें हॉस्टल खाली करने का आदेश दिया गया है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने चारों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करवाई है। पुलिस की जांच पूरी होने के बाद इनके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई होगी। इसके साथ ही एचओडी और तीन फैकल्टी सदस्यों को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

राम मंदिर ट्रस्ट: चंपत राय फिर महासचिव की रेस में

विहिप ने क्लीनचिट दी, अयोध्या के संतों ने निर्दोष बताया, रोज महंतों से मिल रहे

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों से घिरे चंपत राय एक बार फिर मंदिर ट्रस्ट के महासचिव बनने की रेस में है। चंपत ने 26 जून को महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। सूत्रों के मुताबिक, 22 जुलाई को दिल्ली में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की राष्ट्रीय बैठक में उन्हें क्लीनचिट दे दी गई। इसके अगले ही दिन अयोध्या में उनके समर्थन में संतों ने बैठक की। मणिराम दास छावनी में हुई बैठक में कई प्रमुख संतों ने चंपत राय को बेदाग बताते हुए दोबारा महासचिव बनाने की मांग उठाई। ज्यादातर संतों ने इसका समर्थन भी किया। इसके बाद से चंपत राय रोज संतों के पास पहुंच रहे हैं। वह मंदिरों में पहुंचकर संतों-महंतों से

मुलाकात कर रहे हैं। राम मंदिर व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श कर रहे हैं। खुद के प्रति विश्वास बढ़ाने की कोशिश में लगे हैं। संत बोले- जांच में बेदाग हैं, तो दोबारा महासचिव बनें : रामवल्लभाकुंज के प्रमुख और राम मंदिर धार्मिक समिति के सदस्य स्वामी राजकुमार दास ने कहा कि संत समाज की नजर में चंपत राय निर्दोष हैं। अगर सभी जांचों में वे बेदाग साबित होते हैं, तो उन्हें दोबारा महासचिव बनाया जाना स्वागत योग्य होगा। इससे राम मंदिर की व्यवस्था और सनातन समाज के हित में काम होगा। अयोध्या के संत इसकी मांग भी कर रहे हैं।स्वामी राजकुमार दास ने कहा कि स्वर्गीय अशोक सिंहल के साथ और उनके बाद चंपत राय ने राम मंदिर आंदोलन और निर्माण में काफी योगदान दिया है। इसलिए उन्हें सम्मान मिलना चाहिए। अयोध्या में चंपत राय के समर्थन में जुटे थे संत-महंत 23 जुलाई को अयोध्या में मणिराम दास छावनी ट्रस्ट के तुलसीदास प्राकृतिक चिकित्सालय परिसर में अयोध्या के प्रमुख संतों की बैठक हुई थी।

टीजी मोहनदास केरल पुलिस की हिरासत में

नई दिल्ली। केरल पुलिस ने रविवार को राजनीतिक टिप्पणीकार टीजी मोहनदास को हिरासत में लिया। उन पर दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों को लेकर हिंसक और आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। मोहनदास पर आरोप है कि उन्होंने यूट्यूब वीडियो में कहा था कि कंट्रोल उनके हाथ में होता तो वे प्रदर्शनकारियों को गोली मरवा देते। तिरुवनंतपुरम साइबर पुलिस ने 29 जुलाई को उनके खिलाफ केस दर्ज किया था। उधर, आरएसएस ने इस बयान से दूरी बनाते हुए कहा कि मोहनदास संगठन में किसी पद पर नहीं हैं और टिप्पणी निंदनीय है।

असम-अरुणाचल सीमा पर अज्ञात हमलावरों ने की फायरिंग

गुवाहटी। असम-अरुणाचल सीमा पर स्थित धेमाजी जिले के मिंगमांग बदती इंटर-स्टेट बॉर्डर पर अरुणाचल प्रदेश के अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर दी। इस घटना में 8 असमी गांववाले घायल हो गए, जिनमें से 7 की हालत गंभीर है। इस घटनाक्रम से दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच नया तनाव पैदा हो गया। यह पूरा घटनाक्रम बॉर्डर इलाके में अतिक्रमण को लेकर हुआ। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह असम-अरुणाचल प्रदेश बॉर्डर पर मिंगमांग बस्ती में हुई। उन्होंने कहा कि यह अरुणाचल प्रदेश के लोगों द्वारा असम में जमीन पर कथित कब्जे को लेकर हुए विवाद का नतीजा था। बाद में यह टकराव बढ़कर फायरिंग में बदल गया। असम के लोगों को बनाया निशाना अधिकारी ने बताया कि बॉर्डर पार से आए बदमाशों ने असम के लोगों को निशाना बनाकर अंधाधुंध फायरिंग की। घायलों की पहचान दुर्गेश्वर पातिर, रोहित डोले, नागराज डोले, बिगेश्वर पातिर, पामे पेगु, संजय तयुंग, उत्पल डोले और जान डोले के तौर पर हुई है। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को गोगामुख रूरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, और बाद में उनमें से सात को गंभीर हालत में धेमाजी सिविल हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया।

युद्ध लंबा खिंचने पर अमेरिका में बढ़ रहा है घरेलू दबाव, ट्रंप तलाश रहे विकल्प..

परमाणु डील के बिना खत्म होगी ईरान से जंग

वॉशिंगटन। ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब परमाणु समझौते से आगे का विकल्प तलाश रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प प्रशासन ईरान के साथ औपचारिक परमाणु समझौते के बिना भी युद्ध समाप्त करने पर विचार कर रहा है। इसके लिए सबसे अहम शर्त होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलना और वहां से सामान्य कारोबारी जहाजों की आवाजाही बहाल करना हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प पिछले कुछ हफ्तों से इस विकल्प पर अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे हैं। युद्ध के लंबा खिंचने और उसके

आर्थिक असर के बीच अमेरिका की प्राथमिकताएं बदलती दिखाई दे रही हैं।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करना अब तक ट्रम्प प्रशासन की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में रहा है। अमेरिका चाहता रहा है कि तेहरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर ऐसी पाबंदियां स्वीकार करे, जिससे उसके लिए परमाणु हथियार विकसित करने की संभावना खत्म हो जाए। लेकिन संघर्ष के लंबा खिंचने के साथ अब अमेरिकी रणनीति में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। परमाणु समझौते को तत्काल लक्ष्य बनाने के बजाय होर्मुज स्ट्रेट में सामान्य समुद्री यातायात बहाल कराना युद्ध समाप्त करने का व्यावहारिक रास्ता माना जा रहा है। ईरान ने भी रखी शर्तों की लंबी सूची ईरान की ओर से भी होर्मुज स्ट्रेट खोलने को लेकर कई शर्तें सामने आई हैं। ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहम्मद बाघेर जोलघदार के मुताबिक, अमेरिका को पहले युद्ध स्थायी रूप से खत्म करने और अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटाने की गारंटी देनी होगी। ईरान की प्रमुख मांगों में-क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की वापसी, ईरान पर लगाए गए सभी प्रतिबंध हटाना, विदेशों में जमा ईरानी संपत्तियों को जारी करना, युद्ध से हुए नुकसान का मुआवजा देना और ईरान के सहयोगी संगठनों के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई रोकना शामिल हैं। इन मांगों को देखते हुए दोनों पक्षों के बीच समझौता आसान नजर नहीं आ रहा है। युद्ध का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ईरान युद्ध का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था और खासकर ईंधन कीमतों पर पड़ रहा है। पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा राजनीतिक असर पड़ सकता है। इसके अलावा अमेरिका में मध्यावधि चुनाव भी नजदीक हैं। ऐसे में ट्रम्प प्रशासन के सामने युद्ध को लंबा खींचने के बजाय ऐसा रास्ता तलाशने का दबाव बढ़ रहा है, जिससे अमेरिका सैन्य संघर्ष से बाहर निकल सके और साथ ही इसे अपनी शर्तों पर हासिल की गई उपलब्धि के तौर पर पेश कर सके। ट्रम्प पहले भी ईरान के साथ समझौते की संभावना को लेकर सकारात्मक संकेत देते रहे हैं। उन्होंने हाल में यह दावा भी किया था कि अमेरिका युद्ध में जीत हासिल कर चुका है।

दैनिक प्रभात परिक्रमा

भोपाल, मंगलवार 11 अगस्त 2026

संपादकीय

स्कूलों में बच्चों के भोजन से मनमानी, सामने आने पर ही क्यों जागता है निगरानी तंत्र?

सीतापुर के महमूदाबाद में एक प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को पनिहल सब्जी और रोटी फेंककर देने के आरोप लगे हैं। इसी तरह बलिया के पलिया गांव स्थित विद्यालय में मध्याह्न भोजन के दौरान रोटी और सब्जी थाली में परोसने के बजाय बच्चों के हाथ में दिए जाने का मामला सामने आया है। सरकार ने स्कूलों में मध्याह्न भोजन की व्यवस्था इसलिए की थी कि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाए और उनकी सेहत का भी खयाल रखा जाए। मगर देखरेख और निगरानी के अभाव में कई विद्यालयों में यह व्यवस्था मात्र औपचारिकता बनकर रह गई है। कहीं भोजन की गुणवत्ता, तो कहीं उसे परोसने के तरीके पर सवाल उठते रहे हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश में ऐसे दो मामले सामने आए हैं।सीतापुर के महमूदाबाद में एक प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को पनिहल सब्जी और रोटी फेंककर देने के आरोप लगे हैं। इसी तरह बलिया के पलिया गांव स्थित विद्यालय में मध्याह्न भोजन के दौरान रोटी और सब्जी थाली में परोसने के बजाय बच्चों के हाथ में दिए जाने का मामला सामने आया है। इन दोनों घटनाओं में संबंधित प्रधानाध्यापिकाओं को निलंबित कर दिया गया है।मगर सवाल है कि विद्यालयों में इस तरह की अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए विभागीय निगरानी तंत्र निष्क्रिय और लापरवाह क्यों बना रहता है? अगर बच्चों को सम्मानजनक तरीके से अच्छा भोजन नहीं मिल पा रहा है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है?देश भर के विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना के तहत घटिया खाद्यान्न का इस्तेमाल, तय नियमावली का पालन न करने, साफ-सफाई की कमी और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़ी खबरें अक्सर आती रहती हैं। यह बात अब छिपी नहीं है कि शिक्षकों और रसोइए की मिलीभगत से बच्चों को पौष्टिक के बजाय बेहद कम मात्रा में और खराब गुणवत्ता वाला भोजन परोसा जाता है, मगर ऐसे मामले बहुत कम सामने आ पाते हैं।उत्तर प्रदेश की दोनों घटनाओं में भी कार्रवाई तब हुई, जब इनके वीडियो सार्वजनिक तौर पर सामने आए। इससे स्पष्ट है कि विभागीय स्तर पर मध्याह्न भोजन की निगरानी की व्यवस्था सिर्फ कागजों तक ही सीमित है। हालांकि, बच्चों के लिए भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के क्रम में तमाम तरह के नियम बनाए गए हैं, लेकिन व्यावहारिक स्तर पर उनका पालन कराने के लिए कोई प्रभावी तंत्र नजर नहीं आता है। ऐसे में जरूरी है कि विद्यालय के जिन शिक्षकों और अधिकारियों पर मध्याह्न भोजन की निगरानी एवं निरीक्षण का जिम्मा है, उनकी सीधे तौर पर जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

जेन ज़ी को बनाने वाले सबसे बड़े और असरदार कारणों में से एक है, हाइपर-कनेक्टेड डिजिटल दुनिया में उनकी परवरिश। कम उम्र से ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और हाई-स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफ़िकेशन आते हैं, न्यूज़ साइकिल मिनटों में रिफ़्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फ़ीडबैक और आसानी से मिलने वाले कंटेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की ज़रूरत होती है, जैसे जवाब का इंतज़ार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे-धीरे, सोच-समझकर सीखना, वे फ्रस्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं।

अब शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते?

(प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय)

रोल-प्लेइंग (भूमिका निभाने वाले) सीन और ग्रुप डिस्कशन, जो सामाजिक स्थितियों और उनके नतीजों को समझते हैं, सही व्यवहार सिखाने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में बहुत असरदार हो सकते हैं। माता-पिता अपने बच्चों और दूसरों के साथ बातचीत में सम्मानजनक व्यवहार का उदाहरण पेश करके अहम भूमिका निभा सकते हैं। आज के एक-दूसरे पर निर्भर समाज में युवाओं, खासकर जेनरेशन जेड (जेन ज़ी) का व्यवहार समाज के लिए बहुत चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्हें अक्सर बेसब्री, बिना सोचे-समझे सोचने की आदत और कुछ मामलों में, बुरे बर्ताव वाला माना जाता है। यह सोच, हालांकि आम हो सकती है, और हर व्यक्ति में अलग-अलग भी हो सकती है। लेकिन यह इसके अंदरूनी कारणों और समाज की संभावित प्रतिक्रियाओं की एक ज़रूरी जांच को बढ़ावा देती है। इन उभरते हुए पैटर्न को समझने के लिए एक बहुआयामी नज़रिए की ज़रूरत है, जिसमें टेक्नोलॉजी में तरक्की, पढ़ाई के बदलते तरीकों, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव और बड़े सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल के गहरे असर को माना जाए। यह आवश्यक है कि जेन ज़ी में इन आदतों के पीछे के संभावित कारणों पर गहराई से चर्चा हो, जिसमें डिजिटल इमर्शन, तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का असर, जानकारी लेने का बदलता तरीका और उनके विकास को आकार देने वाले बदलते सामाजिक ढाँचों पर विचार किया जाए। तदनुसार, समाज ऐसे सुधार करें जिनसे इस पीढ़ी में ज़्यादा सब्र रखने, ज़्यादा तार्किक सोच विकसित करने और सम्मानजनक बातचीत को बढ़ावा मिलें।

डिजिटल बाढ़ और बेसब्री की खेती – जेन ज़ी को बनाने वाले सबसे बड़े और असरदार कारणों में से एक है, हाइपर-कनेक्टेड डिजिटल दुनिया में उनकी परवरिश। कम उम्र से ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और हाई-स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफ़िकेशन आते हैं, न्यूज़ साइकिल मिनटों में रिफ़्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फ़ीडबैक और आसानी से मिलने वाले कंटेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की ज़रूरत होती है, जैसे जवाब का इंतज़ार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे-धीरे, सोच-समझकर सीखना, वे फ्रस्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं। ऑनलाइन बातचीत का तेज़ नेचर, जहाँ छोटे मैसेज और थोड़ी देर का कंटेंट ज़्यादा होता है, लगातार ध्यान और गहरी बातचीत के लिए कम टॉलरेंस में भी योगदान दे सकता है, जिससे बेसब्री का कल्चर बढ़ता है। उदाहरण के लिए, मैसेजिंग ऐप पर तुरंत जवाब की उम्मीद या सोशल मीडिया फ़ीड पर तेज़ी से स्क्रॉल करने से लोग तुरंत संतुष्टि की उम्मीद करने लगते हैं, जिससे असल दुनिया की बातचीत की धीमी रफ़्तार मुश्किल लगने लगती है। नई चीज़ों और तेज़ी से जानकारी के इस लगातार संपर्क से बोरियत की क्षमता भी कम हो सकती है, एक ऐसी स्थिति जो अक्सर सोचने और क्रिएटिव प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स के विकास को बढ़ावा देती है। जब डिजिटल ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से बोरियत तुरंत दूर हो जाती है, तो सब्र और सेल्फ-रेगुलेशन विकसित करने के मौके कम हो जाते हैं।

इन्फॉर्मेशन ओवरलोड और लॉजिकल रीजनिंग का खत्म होना – डिजिटल युग ने जानकारी को डेमोक्रेटाइज़ कर दिया है, जिससे यह पहले से कहीं ज़्यादा आसानी से मिलने वाली हो गई है। लेकिन, इस एक्सेसिबिलिटी के साथ एक बड़ी चुनौती आती है- उपलब्ध जानकारी की बहुत ज़्यादा मात्रा और अक्सर अनवेरिफाइड नेचर। जेन ज़ी, जो इस बहुतायत के साथ बड़ा हुआ

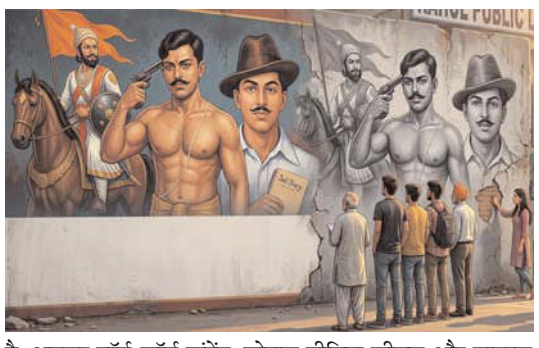

है, अक्सर शॉर्ट-फॉर्म कंटेंट, सोशल मीडिया फीड्स और वायरल ट्रेंड्स के ज़रिए जानकारी लेता है। इस्तेमाल का यह तरीका क्रिटिकल इवैल्यूएशन और लॉजिकल एनालिसिस के बजाय इमोशनल रेजोनेंस और तुरंत एंगेजमेंट को प्रायोरिटी दे सकता है। कई डिजिटल प्लेटफॉर्म को कंट्रोल करने वाले एल्गोरिदम यूज़र्स को एंगेज रखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, अक्सर ऐसा कंटेंट दिखाकर जो उनके मौजूदा बायस से मेल खाता है या मज़बूत इमोशनल रिस्पॉन्स को उकसाता है। इससे इको चैंबर बन सकते हैं, जहाँ लोग मुख्य रूप से उन नज़रियों के संपर्क में आते हैं जो उनके अपने नज़रियों को कन्फर्म करती हैं, जिससे अलग-अलग नज़रियों से जुड़ने और बारीक समझ डेवलप करने की उनकी क्षमता में रुकावट आती है। नतीजतन, भरोसेमंद सोर्स और गलत जानकारी के बीच अंतर करना एक मुश्किल काम बन जाता है। फेक न्यूज़ और सेंसेशनलाइज़्ड कंटेंट के फैलने से युवाओं के लिए मज़बूत क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स डेवलप करना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा, कम जानकारी के आधार पर जल्दी से राय बनाने का दबाव, जो अक्सर ऑनलाइन बहस और तेज़ी से की जाने वाली कमेंट्री से और बढ़ जाता है, बेतुके तर्कों को अपनाने या बिना सबूत वाले दावों को मानने की ओर ले जा सकता है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कॉन्सपिरेसी थ्योरी की लोकप्रियता, जिनमें अक्सर अनुभव के सबूत नहीं होते लेकिन वे भावनात्मक रूप से मज़बूत होती हैं, यह दिखाती है कि बिना वेरिफ़ाई की गई जानकारी कैसे लोगों का ध्यान खींच सकती है और तर्क पर असर डाल सकती है। उन्हें कैसे जांचा जाए, इस बारे में पूरी गाइडेंस के बिना विभिन्न नज़रिया के लगातार संपर्क में रहने से कन्फ्यूजन हो सकता है और सिस्टमैटिक, लॉजिकल तरीकों के बजाय ह्यूरिस्टिक्स या भावनात्मक अपील पर भरोसा हो सकता है।

बदलते सोशल नॉर्म्स और बुरे मैनर्स की सोच – मैनर्स की परिभाषा खुद एक जैसी नहीं है; यह सोशल नॉर्म्स और टेक्नोलॉजी में बदलाव के साथ बदलती रहती है। जेन ज़ी की बातचीत काफी हद तक डिजिटल कम्युनिकेशन पर निर्भर करती है। टेक्स्टिंग, डायरेक्ट मैसेजिंग और ऑनलाइन कमेंट्स में अक्सर बिना बोले इशारे, आवाज़ का टोन और सोशल कॉन्टेक्स्ट की कमी होती है जो आमने-सामने की बातचीत के लिए ज़रूरी हैं। उदाहरण के लिए, एक साफ-साफ टेक्स्ट मैसेज भेजने वाले के लिए एक अच्छी बातचीत हो सकती है, लेकिन पाने वाला इसे खारिज करने वाला या बदतमीज़ी समझ सकता है, खासकर अगर उसमें ग्रीटिंग या आखिर में बात करने जैसी आम तमीज़ न हो। इसके अलावा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से मिलने वाली गुमनामी या दूरी से हिचकिचाहट कम हो सकती है, जिससे ज़्यादा गुस्सैल या बेपरवाह व्यवहार हो सकता है जो शायद सीधे, आमने-सामने की मुलाकातों में न हो। इसके अलावा, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव, कुछ स्टडीज़ में ज़्यादा छूट देने वाली पेरेंटिंग का ट्रेंड बताया गया है, अनजाने में बच्चों के लिए ज़रूरी सोशल दक्षता, जैसे हमदर्दी, झगड़े सुलझाना, और अथॉरिटी वाले लोगों या अलग राय का सम्मान करने के मौके कम कर सकता है। जब बच्चों को नतीजों से बचाया जाता है या सही सोशल बिहेवियर के लिए लगातार गाइड नहीं किया जाता है, तो उन्हें तमीज़ से बातचीत के लिए ज़रूरी सेल्फ-डिसिप्लिन और दूसरों के लिए सोच-विचार डेवलप करने में मुश्किल हो सकती है।

समाज के लिए सुधार के कदम – आज शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद और भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते? क्योंकि जीजाबाई (शिवाजी की माँ) जैसी माँ नहीं हैं। एक बच्चे की अच्छी परवरिश उसे देशभक्त और भविष्य का नागरिक बनाने के लिए बहुत ज़रूरी है। जेन ज़ी में कही जा रही अनुशासनहीनता को ठीक करने के लिए पूरे समाज को एक साथ और कई तरह के तरीके अपनाने की ज़रूरत है। सिर्फ़ बुराई करने से आगे बढ़कर ऐसे रचनात्मक दखल पर ध्यान देना ज़रूरी है जो सकारात्मक विकास को बढ़ावा दें।

डिजिटल लिटरेसी और क्रिटिकल थिंकिंग को बढ़ावा देना – इन चुनौतियों से निपटने का एक तरीका डिजिटल साक्षरता और क्रिटिकल सोचने-समझने के कौशल को बढ़ाना है। एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स को स्टूडेंट्स को डिजिटल दुनिया में ज़िम्मेदारी से संचालन करना सिखाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसमें गलत जानकारी की पहचान करने, एल्गोरिदमिक बायस को समझने और ऑनलाइन सोर्स की क्रेडिबिलिटी को एवैल्यूएट करने के बारे में साफ इंस्ट्रक्शन शामिल हैं। क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स को डेवलप करना सिर्फ़ एक एकेडमिक कोशिश नहीं है; इसके लिए अलग-अलग कॉन्टेक्स्ट में लगातार प्रैक्टिस की ज़रूरत होती है। डिबेट्स, रिसर्च प्रोजेक्ट्स जिनमें कई सोर्स से जानकारी को सिंथेसाइज़ करने की ज़रूरत होती है, और ऐसी डिस्कशन्स जिनमें कॉम्प्लेक्स एथिकल डिलेमाज़ को एक्सप्लोर किया जाता है, ये सभी ज़्यादा लॉजिकल रीज़निंग डेवलप करने में मदद कर सकते हैं। माता-पिता और शिक्षक खुलकर इस पर चर्चा करके क्रिटिकल थिंकिंग का मॉडल बना सकते हैं कि वे जानकारी को कैसे एवैल्यूएट करते हैं और राय कैसे बनाते हैं।

पेशेंस और डिलेड ग्रैटिफिकेशन को कल्टिवेट करना – पेशेंस को बढ़ावा देने के लिए ऐसा एनवायरनमेंट बनाने के लिए सोच-समझकर कोशिश करने की ज़रूरत होती है जो इसे बढ़ावा दे। स्कूल ऐसे असाइनमेंट डिज़ाइन कर सकते हैं जिनमें लंबे समय तक कमिटमेंट और लगन की ज़रूरत हो, जिससे स्टूडेंट्स को मेहनत की कीमत और लगातार काम करके लक्ष्य हासिल करने की संतुष्टि सिखाई जा सके।

भारत पहले, फिर दुनिया- क्या बदल रही है नेपाल की विदेश नीति की दिशा?

(यशोदा श्रीवास्तव)

प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सत्ता संभालते ही यह संदेश दिया था कि विदेशी राजदूतों और राजनयिकों की प्रधानमंत्री कार्यालय तक सीधी पहुंच समाप्त की जाएगी और किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से निजी मुलाकात नहीं की जाएगी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की विदेश यात्राओं की वरीयता को लेकर काठमांडो के राजनीतिक गलियारों में चल रही कयासबाजी पर विराम लग गया है, क्योंकि उनकी भारत यात्रा पर अब मुहर लग गई है। दरअसल, भारत ने बालेन शाह को यहां आने का निमंत्रण दिया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। नेपाल की राजनीति में भारत और खासकर बालेन शाह की विदेश नीति को लेकर इसे बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। नेपाल में अपना प्रभाव बढ़ा रहे चीन और अमेरिका बालेन की प्रथम विदेश यात्रा पर टकटकी लगाए हुए थे। वे उनकी विदेश यात्रा में अपने-अपने देश को प्राथमिकता मिलने की उम्मीद कर रहे थे। नेपाल का प्रधानमंत्री बनने के बाद बालेन शाह की सरकार चलाने की कार्यशैली कुछ ऐसी थी कि उन्हें और उनकी विदेश नीति को समझ पाना मुश्किल था। अब जब भारत का उनका दौरा लगभग तय हो गया है, तो अमेरिका और चीन का चौकन्ना होना स्वाभाविक है। राजनीतिक विश्लेषकों की दृष्टि में यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है। प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सत्ता संभालते ही यह संदेश दिया था कि विदेशी राजदूतों और राजनयिकों की प्रधानमंत्री कार्यालय तक सीधी पहुंच समाप्त की जाएगी और किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से निजी मुलाकात नहीं की जाएगी। मगर अब उन्होंने अपनी शुरुआती नीति में बदलाव करते हुए करीबी सलाहकारों के माध्यम से भारत और चीन से सीधे संपर्क स्थापित करने की पहल शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने अपने करीबी सलाहकारों तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, खासकर पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने और विदेश मंत्री शिशिर खनाल से चर्चा के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा में भारत को प्राथमिकता दी है। दरअसल, प्रधानमंत्री बालेन शाह के प्रमुख सलाहकार कुमार व्यंजनकार की जुलाई के पहले सप्ताह में नई दिल्ली की यात्रा के बाद ही उनकी भारत यात्रा के कार्यक्रम में तेजी आई। यह सब इतना गोपनीय रखा गया कि इसकी भनक नेपाल के विदेश मंत्रालय तक को नहीं लगने दी गई। नेपाल के राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बेशक बालेन शाह की भारत यात्रा की रूपरेखा गोपनीय रखी गई, लेकिन इसकी जानकारी पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने को जरूर रही होगी, क्योंकि कुछ दिन पहले ही वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आमंत्रण पर भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर गए थे। नेपाल में जब भी सत्ता परिवर्तन होता है, तो वहां के नए प्रधानमंत्री की पहली विदेश यात्रा की प्राथमिकता पर भारत, चीन और अब अमेरिका की नजर जरूर रहती है। नेपाल में अपना प्रभाव बढ़ाने में लगातार सक्रियता बढ़ा रहे ये तीनों देश बालेन शाह की अपने-अपने देश की यात्रा को लेकर सक्रिय थे। पिछले दिनों अमेरिका और चीन के राजनयिक तथा शीर्ष नौकरशाह काठमांडो पहुंचे थे, लेकिन बालेन शाह की मुलाकात किसी से नहीं हुई। उन्होंने नेपाल की आंतरिक और बाह्य समस्याओं के समाधान में व्यस्तता के बीच विदेशी प्रतिनिधियों से मिलना जरूरी नहीं समझा। बालेन शाह की भारत यात्रा की पुष्टि के बाद नेपाल की विदेश नीति में बदलाव को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, प्रधानमंत्री बालेन शाह के भारत दौरे के पीछे जो प्रमुख कारण हो सकता है, वह यह कि भारतीय मीडिया में हाल के दिनों में उनकी सरकार को लेकर लगातार आलोचनात्मक खबरें आई हैं। कुछ रिपोर्टों में सरकार की लोकप्रियता घटने और उसके अधिक समय तक न टिक पाने के दावे किए गए, जिससे सरकार के भीतर नई कूटनीतिक पहल की आवश्यकता महसूस की गई। इसके अलावा नेपाल की मौजूदा सरकार पर घरेलू स्तर पर भी राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। भूमिहीनों के पुनर्वास, पासपोर्ट छपाई विवाद, गणेश नेपाली आत्मदाह प्रकरण तथा अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर सरकार को लगातार आलोचना का सामना करना पड़ा है। ऐसे में माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री बालेन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ाकर संतुलन बनाने की कोशिश में हैं, जिसकी शुरुआत के क्रम में भारत यात्रा भी शामिल है। उनकी भारत यात्रा का उद्देश्य दो तरफा है। दोनों देशों के बीच कई ऐसे मुद्दे हैं, जिनका समाधान बातचीत के जरिए ही संभव है। भारत और नेपाल के बीच संबंध चूंकि मैत्रीपूर्ण हैं, रोटी-बेटी का रिश्ता है, भौगोलिक दृष्टि से भी नेपाल भारत के बेहद करीब है। ऐसे में दोनों देश कभी नहीं चाहेंगे कि वे एक-दूसरे से दूरी बनाकर रहें।

उत्साह तभी सार्थक है जब उसके साथ जागरूक चेतना हो, तभी जीवन के निर्णय बनते हैं स्थायी

(शोभा जैन)

हम सभी किसी न किसी रूप में एक भय की ग्रंथि से जूझते हैं। ऐसे में संवाद एक उत्साह की चिंगारी जरूर है। दरअसल, दुख के वर्ग में जो स्थान भय का है, आनंद वर्ग में वही स्थान उत्साह का है। ऐसे में संवाद को मानव समाज की रीढ़ कहा जाए तो गलत नहीं होगा। यहीं से विचार की दोहरी प्रक्रिया शुरू होती है। संवाद का उपक्रम सत्संग भी है। जहां हम अपने मन के भावों को पलायन करने के बजाय अपने छूटे हुए अंतरंग की बुनियादी बुनाइयां बुनने लगे। नीरसता व्यक्ति को नकारात्मक और निरुत्साही बनाती है, तो उसमें मन की अस्थिर अवस्था की केंद्रीय भूमिका रहती है।

जीवन के निर्णय केवल उत्साह से नहीं, बल्कि परिष्कृत चेतना और जागरूकता से सार्थक बनते हैं। यह लेख बताता है कि कैसे चेतना, सांस्कृतिक मूल्य, संवाद और आत्मानुभव व्यक्ति के उत्साह, निर्णय क्षमता और जीवन की दिशा को प्रभावित करते हैं।

हमारी चेतना की जमीन हमारे जीवन को संचालित करने वाले निर्णयों से ही उपजती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थिति बनती है, जब हमारा मानस निर्णय तो लेता है, लेकिन उन निर्णयों में स्थायित्व नहीं रहता। वे भविष्य में टिक नहीं पाते। चेतना सबकी एक ही होती है। फर्क होता उन मूल्यों का, जो हमारी चेतना में मौजूद रहते हैं। इन मूल्यों के अनुसार ही हमारी चेतना किसी घटना पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करती है। ये मूल्य ही इस बात का निर्धारण करते हैं कि वे कौन-से तत्त्व और कार्य होंगे, जो हमें अपराध-बोध से भरेंगे और हमें अपराध-बोध से मुक्त रखेंगे।

जीवन में कभी-कभी ऐसा पड़ाव भी आता है, जब हमारी चित्त अवस्था स्थिर नहीं होती। वैसे भी वह स्थिर नहीं, गतिशील है। वह ठहराव नहीं, निरंतर खोज है, लेकिन यहां अस्थिर होने का आशय विचलन से है। भीतर के प्रश्नों की यात्रा ठहरती नहीं। वह एक ऐसे प्रदेश में प्रवेश करती है, जहां आंतरिक खोज अपने ही छायापथ पर चलती है। मगर अस्थिर मन में जब कोई हमारे अनुकूल काम होता दिखाई देता है, तब मन अपने आप ही किसी आंतरिक उत्साह से भर जाता है। वह छोटा-सा उत्साह कितने दायित्वों को निभाने की ऊर्जा दे देता है, हम इसकी पूर्व से कल्पना भी नहीं कर सकते। जैसे अवसाद और आत्महत्या के केंद्र में होता है सहनशीलता का अभाव, ठीक वैसे ही उत्साह और जागरूकता के केंद्र में प्रोत्साहन भी एक कड़ी है।

जीवन में ऐसे कई अवसर आते हैं जब हम उत्साहित होकर किसी लक्ष्य को साधते हैं, लेकिन जागरूकता के अभाव में उस लक्ष्य का अपेक्षित परिणाम नहीं पाते। ठीक इसके उलट, एक व्यक्ति के भीतर किसी काम या लक्ष्य को हासिल करने की क्षमता तो हो, लेकिन उसके भीतर उत्साह की कमी हो, तो उसके लिए आसान राह भी मुश्किल होगी। इसके अलावा, एक स्थिति यह भी होती है कि क्षमता और उत्साह से लैस व्यक्ति को भी अगर कोई निराशा में डुबो दे, उसका उत्साह भंग कर दे, तो किसी काम को आसानी से पूरा करने की उसकी क्षमता विपरीत दिशा में प्रभावित होती है।

कहने का आशय यह कि अगर हमारा चित्त किसी विषय में उत्साहित रहता है, तो हम अन्य विषयों में भी अपना उत्साह दिखाते हैं। आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने एक जगह लिखा है- उत्साह वास्तव में कर्म और फल की मिली-जुली अनुभूति है, जिसकी प्रेरणा से तत्परता आती है। अगर फल दूर ही दिखाई पड़े, उसकी भावना के साथ उसका लेश मात्र भी कर्म या प्रयत्न के साथ-साथ लगाव न मालूम हो, तो हमारे हाथ-पांव कभी न उठें और उस फल के साथ हमारा संयोग ही न हो। इसमें कर्म-शृंखला की पहली कड़ी पकड़ते ही फल के आनंद की भी कुछ अनुभूति होने

लगती है। अगर हमें यह निश्चय हो जाए कि अमुक स्थान पर जाने से हमें किसी प्रिय व्यक्ति का दर्शन होगा, तो उस निश्चय के प्रभाव से हमारी यात्रा भी अत्यंत प्रिय हो जाएगी। अगर हम किसी बात पर गुस्सा हुए बैठे हैं और इसी बीच में कोई दूसरा आकर हमसे कोई बात सीधी तरह भी पूछता है, तो भी हम उस पर झुंझला उठते हैं। यह सब मनोस्थिति द्वारा संचालित होता है और मनोस्थिति परिस्थितिजन्य होती है।

हम सभी किसी न किसी रूप में एक भय की ग्रंथि से जूझते हैं। ऐसे में संवाद एक उत्साह की चिंगारी जरूर है। दरअसल, दुख के वर्ग में जो स्थान भय का है, आनंद वर्ग में वही स्थान उत्साह का है। ऐसे में संवाद को मानव समाज की रीढ़ कहा जाए तो गलत नहीं होगा। यहीं से विचार की दोहरी प्रक्रिया शुरू होती है। संवाद का उपक्रम सत्संग भी है। जहां हम अपने मन के भावों को पलायन करने के बजाय अपने छूटे हुए अंतरंग की बुनियादी बुनाइयां बुनने लगे। नीरसता व्यक्ति को नकारात्मक और निरुत्साही बनाती है, तो उसमें मन की अस्थिर अवस्था की केंद्रीय भूमिका रहती है। इसलिए उत्साह में चिंतन की स्थिति बनी रहे, जिसे हम जागरूकता की परिपक्व अवस्था भी कह सकते हैं। बस उत्साह क्षणिक उद्वेगयुक्त होता है, इसलिए उसमें जागरूकता का होना पहली शर्त है।

हमारे उत्साह में हमारी चेतना की भूमिका सर्वोपरि है। चेतना के स्तर पर कभी कोई भेद भी नहीं होते, तो भेद हमेशा विचारों के स्तर पर होते हैं। ज्यादातर लोग अपनी चेतना को शुद्ध ही मानकर चलते हैं। तर्क-वितर्क से उसे न्यायसंगत ठहरा देते हैं। ऐसे में जीवन में घटित घटनाओं में अपनी निजी चेतना को शुद्धि की कसौटी पर स्वयं कसकर देखना चाहिए। हम दंग रह जा सकते हैं कि जो कुछ भी हमारे साथ हुआ, उसके केंद्र में हमारी चेतना है। शुद्ध चेतना जो हमारे कार्य को स्वयं निदेशित करे, किसी दूसरे की चेतना उसकी वैचारिकी का अनुगमन करना होगा। अपनी चेतना को परिष्कृत भी करना पड़ता है और इसमें सबका अपना अलग तरीका होता है, सबके अनुभव अलग। उत्साह और जागरूकता में चेतना की अहम भूमिका रहती है। चेतना में सांस्कृतिक मूल्यों की पहचान उसकी परिधि में निहित है। जीवन दर्शन और परिवेश इसके रसायन हैं। चेतना निरंतर परिष्कृत होने की प्रक्रिया है, क्योंकि जो आज है, कल वह अनुभव भी रहे, यह जरूरी नहीं। राम और रावण दोनों में चेतना थी, लेकिन भिन्न स्तर की।अपने उत्साह को बढ़ाने की कुंजी यह है कि हम अपने स्वार्थ से परे किसी ऐसे उद्देश्य के प्रति समर्पित हो जाएं, जिसके प्रति हमारी गहरी लगन हो, जिसमें हमारी चेतना की परिष्कृत अवस्था हो। दूसरों से अर्जित नहीं, स्व-अनुभव से अर्जित। यह उद्देश्य हमें प्रतिबद्धता देगा।

100 साल पुरानी हवेली में मिले खजाने का खुला राज, 66 किलो चांदी बरामद

जयपुर, एजेंसी। जयपुर पुलिस ने करीब 10 माह पुराने एक बड़े खजाना चोरी मामले का खुलासा करते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके पास करीब पौने दो करोड़ रुपये कीमत की 66 किलो 400 ग्राम चांदी बरामद की गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि त्रिपोलिया बाजार में करीब 100 वर्ष पुरानी एक हवेली को तोड़ने के दौरान ठेकेदार और चार श्रमिकों को दीवार में एक तिजोरी मिली थी, जिसमें चांदी की बड़ी सिल्लियां और बड़ी संख्या में कीमती आभूषण थे। उन्होंने इस खजाने को आपस में बांट लिया। बाद में हवेली के मालिक राहुल सेठी को एक व्यक्ति ने पुरानी तिजोरी में खजाना मिलने और ठेकेदार व श्रमिकों के आपस में बांटने के बारे में बताया। इस पर उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने जांच के बाद ठेकेदार और श्रमिकों से कड़ाई से पूछताछ की तो उन्होंने हवेली तोड़ने के दौरान जंग लगी पुरानी तिजोरी में चांदी की कई सिल्लियां, सिक्कों सहित अन्य आभूषण मिलने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस उपायुक्त करण शर्मा ने बताया कि राहुल ने करीब 10 माह पहले जर्जर पुश्तैनी हवेली गिराकर नया निर्माण करने के लिए महेश मल्होत्रा को ठेका दिया था। हवेली तोड़ते समय करीब नौ माह पहले ठेकेदार और श्रमिकों को खजाना मिला था, जिसके बारे में राहुल को पिछले माह जानकारी मिली तो उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई। राहुल का दावा था कि करीब 45 किलो की 10 से 15 चांदी की सिल्लियां, करीब 15 सोने के सिक्के और आठ से 10 हजार चांदी के सिक्के ठेकेदार और श्रमिकों को पुरानी तिजोरी में मिले हैं। पुलिस ने लंबी जांच और कड़ाई से पूछताछ के बाद शनिवार देर शाम ठेकेदार महेश और श्रमिकों जगदीश, रजत, अनुज और पप्पू को गिरफ्तार कर लिया। गड्ढा खोदकर दबाया खजाना पुलिस उपायुक्त ने बताया कि खजाना मिलने के बाद ठेकेदार महेश ने एक जेसीबी मशीन, कुछ ट्रैक्टर और अन्य मशीनरी खरीद ली। पुलिस थाना अधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि आरोपितों ने कुछ चांदी और आभूषण तो बेच दिए, लेकिन 66 किलो चांदी जामदोली के जंगल में गड्ढा खोदकर दबा दी। आरोपित इस खजाने को बाद में निकाल कर बेचना चाहते थे।

धार्मिक बुजुर्ग महिला की हादसे में मौत, पशु-पक्षियों को खाना खिलाना थी रोज की दिनचर्या

नईदिल्ली, एजेंसी। उर्मिला धार्मिक प्रवृत्ति की बुजुर्ग महिला थीं और पशु-पक्षियों से उनका गहरा लगाव था। स्वजनों के मुताबिक, जानवरों की देखभाल उनकी रोजमर्रा की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन चुकी थी। वह गाय, कुत्तों और पक्षियों को खाना खिलाने के साथ ही चींटियों जैसे छोटे जीवों के लिए भी आटा , चीनी या अन्य भोजन रखती थीं। उनके एक स्वजन ने बताया कि शायद ही कोई ऐसा दिन होता था, जब वह सुबह घर से निकलकर पशु-पक्षियों को खाना खिलाने नहीं जाती थीं। उनकी दिनचर्या मंदिर जाने से शुरू होती थी। मंदिर में पूजा के बाद वह आसपास के इलाके में घूमकर गायों और कुत्तों को खाना खिलातीं और पक्षियों के लिए दाना डालती थीं। बाद में धीरे-धीरे यह उनकी जिंदगी का ऐसा हिस्सा बन गया था, जिसे वह शायद ही कभी छोड़ती थीं। पोते देवेश कुमार का कहना है कि मेरी दादी धार्मिक थीं। वह रोज सुबह मंदिर जाती थीं और इसके बाद पशु-पक्षियों को खाना खिलाती थीं। वह गाय, कुत्ते, पक्षी और यहां तक कि चींटियों को भी खाना देती थीं लेकिन हादसे ने उनके घर की खुशियां छीन ली। शनिवार को भी दादी अपनी इसी रोज की दिनचर्या के तहत घर से निकली थीं। लेकिन हादसे ने उनकी जिंदगी छीन ली। परिवार अचानक हुई मौत से सदमे में है और उनके घर मातम पसरा है। उन्होंने बताया कि काम की व्यस्तता के कारण वह पिछले दो दिन से दादी से बात नहीं कर पाए थे। अब यही बात उन्हें सबसे ज्यादा कचोट रही है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि उन दो दिनों में उनसे बात न कर पाने का अफसोस मुझे जिंदगी भर रहेगा।

अंतरिक्ष का कचरा बनेगा करोड़ों का कारोबार मलबा हटाएंगी कंपनियां उपग्रहों की मरम्मत भी होगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष के हजारों निष्क्रिय उपग्रह, इस्तेमाल हो चुके रॉकेटों के हिस्से और टकराव से पैदा हुए मलबे के टुकड़े भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए खतरा बन रहे हैं और इसी खतरे में निजी कंपनियां नए कारोबारी अवसर तलाश रही हैं। ऑर्बिट रडार के अनुसार अंतरिक्ष में करीब 30 हजार वस्तुओं को ट्रैक किया जा रहा है। इनमें लगभग 18,500 सक्रिय उपग्रह हैं, जबकि बाकी मलबा या इस्तेमाल हो चुके रॉकेट के हिस्से हैं। पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थिति तेजी से बदल रही है। यहां हजारों उपग्रहों के साथ दशकों की अंतरिक्ष गतिविधियों से पैदा हुआ मलबा भी मौजूद है। यही संकट अब अंतरिक्ष में एक नए सेवा उद्योग की नींव रख रहा है। जापान की कंपनी एस्ट्रोस्केल ऐसे अंतरिक्ष यान विकसित कर रही है, जो कक्षा में जाकर निष्क्रिय वस्तुओं को पकड़ सकें और उन्हें हटाने में मदद करें। कंपनी ने कक्षा में दूसरे अंतरिक्ष यान से जुड़ने की क्षमता का प्रदर्शन भी किया है।

क्या सख्ती से बदली दिल्ली की ट्रैफिक तस्वीर गलत दिशा में ड्राइविंग पर 3.51 लाख चालान और 2,321 एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की ट्रैफिक स्थिति को लेकर उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने ट्रैफिक पुलिस के आला अधिकारियों के साथ पहले दिए गए निर्देशों के लागू होने की स्थिति और नियमों को लागू करने के मुख्य नतीजों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में एक बार फिर से उपराज्यपाल ने ट्रैफिक को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये। बैठक में जलभराव को लेकर भी निर्देश दिये गए। ट्रैफिक नियमों को लागू करने के अपने कड़े रुख को दोहराते हुए उपराज्यपाल ने जोर दिया कि सड़कों पर

पुलिस की मौजूदगी ट्रैफिक जाम और अव्यवस्थित आवागमन को रोकने का मुख्य उपाय है।

इसके अलावा बैठक में कांवड़ यात्रा और स्वतंत्रता दिवस को लेकर भी विशेष ट्रैफिक तैनाती और अलग-अलग एजेंसियों के बीच तालमेल की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों को आगाह करते हुए, उन्होंने कहा कि ट्रैफिक का सुचारू रूप से चलना किसी भी अन्य नागरिक मुद्दे की तुलना में आम नागरिक के दैनिक जीवन को अधिक प्रभावित करता है। इसलिए पीक आवर्स के दौरान ज्यादा जाम वाले स्थानों पर अधिक से अधिक शारीरिक रूप से मौजूद रहें। मानसून की वजह से प्रभावित ट्रैफिक से निपटने के लिए पहले दिए गए निर्देशों की समीक्षा करते हुए उन्होंने बताया कि पीडब्ल्यूडी, एमसीडी आदि जैसे संबंधित विभागों द्वारा पहले से किए गए उपायों के कारण, मौजूदा मानसून सीजन (5 अगस्त, 2026 तक) में शहर भर में पानी भरने वाली जगहों की संख्या तेजी से घटकर 65 रह गई है, जबकि 2024 में यह संख्या 194 और 2025 में 169 थी। इसके अलावा, जिन जगहों पर बार-बार पानी भरता था, उनकी संख्या 2024 और 2025 में 53 से घटकर इस साल सिर्फ 20 रह गई है। इसके परिणामस्वरूप ट्रैफिक जाम से जुड़ी काल्स में कमी आई है। जुलाई 2025 में हेल्पलाइन पर 701 काल्स आई थीं, जो इस वर्ष जुलाई में घटकर 572 रह गईं, और इसी दौरान इंटरनेट मीडिया पर ट्रैफिक से जुड़ी शिकायतों की संख्या 1,792 से घटकर 1,653 हो गईं।

प्रोजेक्ट संगम का दिखने लगा असर

उपराज्यपाल ने बताया कि प्रोजेक्ट संगम के तहत रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन के साथ 553 संयुक्त बैठकें की गई हैं। जाम की समस्या का निवारण करने के लिये लोगों से 510 सुझावों में से 410 पर जमीनी स्तर पर कार्रवाई की, जबकि 100 सुझावों को इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े काम के लिए संबंधित सिविक एजेंसियों को भेजा गया है। ट्रैफिक पाठशाला शुरू करके 710 मुख्य चौराहों पर गलत दिशा में गाड़ी चलाने, रेड लाइट तोड़ने, ट्रिपल राइडिंग और बिना हेलमेट गाड़ी चलाने वाले 17 हजार चार सौ से ज्यादा लोगों को सड़क सुरक्षा के बारे में सलाह दी गई।

सख्ती हुई तो चालान और एफआइआर में हुई बढ़ोत्तरी

गलत दिशा में गाड़ी चलाने के मामलों में भारी बढ़ोतरी (113 फीसदी) देखी गई। 31 जुलाई 2025 तक 1,64,365 चालान काटे गए थे, जो 31 जुलाई 2026 तक बढ़कर 3,51,523 हो गए। इस वर्ष आठ अप्रैल से 31 जुलाई के बीच गलत दिशा में गाड़ी चलाने के गंभीर मामलों में कुल 2,321 एफआइआर दर्ज की गईं। अनधिकृत पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई में भी 28 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और कुल 15,36,944 चालान काटे गए। इसके अलावा, स्थानीय और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त पैदल गश्त से सड़कों पर हुए 399 अतिक्रमण हटाए गए और अवैध पार्किंग के 1,915 मामलों में कार्रवाई की गई।

जेन-जी ऐसी ताकत है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता', इस्तीफे पर धर्मेंद्र प्रधान ने तोड़ी चुप्पी

भुवनेश्वर, एजेंसी। बीजेपी नेता और संबलपुर के सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों के दौरान जेन जी को गुमराह करने की कोशिशें की गईं, जिसके कारण उन्हें केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पद छोड़ना पड़ा। दिल्ली के जंतर-मंतर पर इस मुद्दे को लेकर हुए जबरदस्त विरोध-प्रदर्शनों के बीच पद छोड़ने के ठीक दो हफ्ते बाद प्रधान ने भुवनेश्वर की जीएम यूनिवर्सिटी में छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए अपने इस्तीफे पर चुप्पी तोड़ी।

मेरे लिए पद महत्वपूर्ण नहीं था: प्रधान ने कहा, 'जेन जी हमारे बच्चे हैं। कुछ लोगों ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। तब मेरा कोई निजी मसला नहीं था। भारत में हर साल कम से कम दो करोड़ बच्चे पैदा होते हैं। पिछले 10 सालों में 20 करोड़ बच्चे पैदा हुए। उनकी अपनी उम्मीदें हैं और वे भारत को विश्व गुरु बनाएंगे। मेरे लिए पद महत्वपूर्ण नहीं था।' उन्होंने

कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क किया था और केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी। इसके बाद प्रधान ने 25 जुलाई को मंत्रालय से इस्तीफा दे दिया।

बीजेडी और नवीन पटनायक पर साधा निशाना: रायराखोल में एक और बैठक में प्रधान ने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेडी कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शन और वापस जाओ के नारों से उन्हें कोई परेशानी नहीं है। एयरपोर्ट के पास बीजेडी के युवा और छात्र विंग के कार्यकर्ताओं के विरोध-प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं एक किसान का बेटा हूं। अगर आप मुझे वापस जाने के लिए भी कहेंगे तो भी मैं वापस आऊंगा।' दरअसल एयरपोर्ट के पास धर्मेंद्र प्रधान वापस जाओ के नारे लगे थे। प्रधान ने बीजेडी अध्यक्ष पर अपने खिलाफ विरोध-प्रदर्शन में युवाओं को शामिल करने का आरोप लगाते हुए कहा, 'नवीन बाबू मुझे ओडिशा के लोगों के लिए शर्म की बात और एक बुरा इंसान भी कहते हैं।

मैंने अपने काम से कभी लोगों को शर्मिंदा नहीं किया

उन्होंने सवाल करते हुए कहा, 'क्या मैंने कभी ऐसा कुछ किया है जिससे ओडिशा के लोगों को शर्मिंदा होना पड़े' उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि मैं राज्य का नाम रोशन न कर रहा होऊं लेकिन मैंने अपने काम से कभी भी लोगों को शर्मिंदा नहीं किया है। मैं कभी ऐसा कोई काम नहीं करूंगा जिससे राज्य की बदनामी हो।' प्रधान ने कहा कि भगवान जगन्नाथ और संबलपुर की आराध्य देवी समलेश्वरी के आशीर्वाद से वे 12 साल पहले केंद्रीय मंत्री बने थे। पटनायक के खिलाफ उनकी यह टिप्पणी एक ऐसे मंच से आई, जहां बीजेडी विधायक और ओडिशा विधानसभा में उप-नेता प्रसन्ना आचार्य भी मौजूद थे। प्रधान ने कहा, 'बीजेडी के विरोध को देखते हुए मैंने प्रसन्ना भाई से सलाह ली थी कि मुझे जाना चाहिए या नहीं। प्रसन्ना बाबू ने मुझे आने के लिए कहा और भरोसा दिलाया कि मेरा स्वागत किया जाएगा। मैं उनकी इजाजत लेकर ही यहां आया हूं।

राजस्थान में बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा, फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्रों से 45 कर्मियों ने हासिल की सरकारी नौकरी

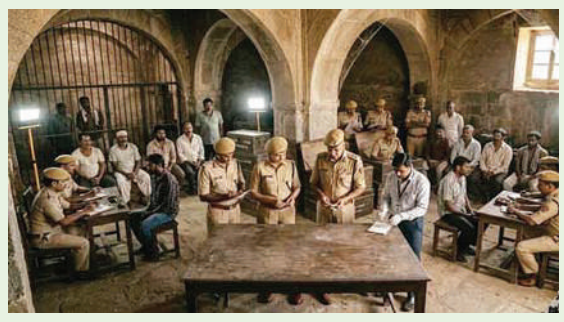

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में पिछले कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने वाले 25 कर्मचारियों को निलंबित करने के साथ ही गिरफ्तार किया गया है। साथ ही फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी हासिल करने वाले 20 अन्य सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज किया गया है। ऐसे में अब तक 45 फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र से सरकारी कार्मिक बनने वालों की जांच पूरी हुई है। करीब 500 सरकारी कार्मिक जांच के दायरे में हैं। इस मामले में ग्रामीण विकास विभाग में विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत शेरसिंह को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। जयपुर सवाई मानसिंह अस्पताल में स्थित पुलिस थाने में थाना अधिकारी सूरजमल ने बताया कि सूचना के आधार पर विकास अधिकारी शेरसिंह की जांच की गई तो उसका प्रमाण पत्र फर्जी निकला। फर्जी दिव्यांगता प्रमाण पत्र देने और दलाली करने वालों के खिलाफ चलाए गए इस अभियान में सरकारी अस्पतालों में कार्यरत आधा दर्जन चिकित्सकों के खिलाफ पुलिस में अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। चिकित्सकों ने पैसे लेकर किसी को श्रवण बाधित प्रमाण पत्र दिया तो किसी को दृष्टिबाधित प्रमाण पत्र दिए थे। एसओजी पिछले तीन माह से इस मामले की जांच कर रही है।

युद्ध का दंश: गाजा मददगारों ने इस्राइल पर लगाए प्रताड़ना के आरोप, अंधेरे कंटेनर और बिजली के झटकों का किया दावा

पेरिस/इस्तांबुल, एजेंसी। मई मध्य में ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला संगठन के कुछ कार्यकर्ता समुद्र के रास्ते सहायता लेकर गाजा की नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान इस्राइली सैन्य बलों ने उन्हें हिरासत में ले लिया। छूटने के बाद 24 में 22 कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि उन्हें हिरासत में बुरी तरह प्रताड़ित किया गया। लात-घूंसों से पीटा गया, अंधेरे कंटेनरों में रखा गया। यही नहीं, उन्हें बिजली के झटके दिए गए और उनका यौन उत्पीड़न भी किया गया।पीड़ितों ने बताया कि मई मध्य में लगभग 50 नौकाओं से 400 से अधिक कार्यकर्ता तुर्किये से रवाना हुए थे। उनका इरादा युद्धग्रस्त गाजा के लोगों के लिए भोजन और आवश्यक मानवीय सहायता पहुंचाना था। गाजा तट से काफी पहले अंतरराष्ट्रीय

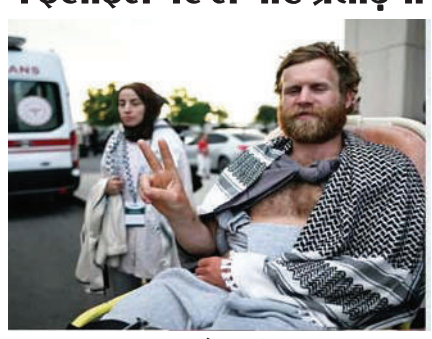

जलक्षेत्र में ही इस्राइली नौसेना के कमांडो ने इस बेड़े को अपने कब्जे में ले लिया।कार्यकर्ताओं को पहले इस्राइली जहाजों पर और बाद में दक्षिणी इजरायल के अश्दोद बंदरगाह पर लगभग तीन दिनों तक हिरासत में रखा गया। इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर ने इस दौरान सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया गया, जिसमें वह हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं का मजाक उड़ाते नजर आए थे। इस बीच, इस्राइल ने कार्यकर्ताओं के लगाए आरोपों को निराधार बताया है।यौन उत्पीड़न का भी आरोपऑस्ट्रेलियाई फिल्म निर्माता और कार्यकर्ता जूलियट लैमोंट ने आरोप लगाया कि उन्हें एक शिपिंग कंटेनर के अंदर गंभीर रूप से पीटा गया और यौन उत्पीड़न किया गया। वहीं, इतालवी कार्यकर्ता डेरियो कैरोतेनुतो ने बताया कि उन्हें और अन्य लोगों को बेहद तंग जगहों पर फर्श पर सोने के लिए मजबूर किया।युद्ध के नियमों के उल्लंघन की हो रही जांचफ्रांस, इटली और ऑस्ट्रेलिया के अधिकारियों इस घटना की कड़ी आलोचना की है। साथ ही घटना की औपचारिक जांच भी शुरू कर दी है। जिनेवा कन्वेंशन और अंतरराष्ट्रीय कानून के विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो यह युद्ध के नियमों और मानवीय कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन है।चिकित्सा रिपोर्ट में हुई उत्पीड़न की पुष्टिहिरासत से रिहा होने और तुर्किये और अन्य यूरोपीय देशों लौटने के बाद, कई कार्यकर्ताओं को तुरंत अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा। छह कार्यकर्ताओं के उपलब्ध कराए गए मेडिकल रिकॉर्ड और अस्पतालों की रिपोर्ट से उत्पीड़न का खुलासा होता है। इनकी पसलियों और रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर पाया गया। वहीं, बिजली के झटके देने के भी साफ संकेत मिले।

हिमांशी खुराना हत्याकांड का महीनों बाद खुला राज: एयरपोर्ट से साथी अब्दुल गफूरी गिरफ्तार, कनाडा में था वांटेड

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 30 वर्षीय हिमांशी खुराना की दिसंबर में हुई हत्या के मामले में पुलिस ने महीनों बाद उनके साथी 32 वर्षीय अब्दुल गफूरी को एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। गफूरी पर फर्स्ट-डिग्री मर्डर का आरोप लगाया गया है और वह कनाडा-व्यापी वारंट के तहत वांछित था। पुलिस के अनुसार, पीड़िता और संदिग्ध एक-दूसरे को जानते थे। मामले में कानूनी कार्यवाही जारी है।अब्दुल गफूरी को कहां से किया गया गिरफ्तारटोरंटो निवासी गफूरी को शुक्रवार को एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने शनिवार को स्थानीय समयानुसार बताया कि उस पर खुराना की 'फर्स्ट-डिग्री मर्डर' यानी पूर्व नियोजित और जानबूझकर की गई हत्या का आरोप लगाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, टोरंटो पुलिस के भगोड़े आरोपियों को पकड़ने वाले दस्ते और हत्या की जांच करने वाली यूनिट ने गफूरी को कनाडा वापस लाने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुलिस सेवाओं के साथ मिलकर काम किया।किस देश में था गफूरी, पुलिस ने क्यों नहीं बतायाहालांकि, अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि गिरफ्तारी से पहले गफूरी किस देश में था। पुलिस की ओर से इस संबंध में कोई और जानकारी भी साझा नहीं की गई है। हिमांशी खुराना पिछले साल 20 दिसंबर को मृत पाई गई थीं। अधिकारियों ने बताया था कि इससे एक दिन पहले, 19 दिसंबर को स्ट्रैचन एवेन्यू और वेलिंगटन स्ट्रीट वेस्ट इलाके से एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिली थी। अगले दिन पुलिस को उस समय दुखद जानकारी मिली, जब लापता महिला हिमांशी खुराना एक घर के अंदर मृत पाई गई।पुलिस को कब पता चला कि मामला हत्या का हैपुलिस ने पुष्टि की थी कि पीड़िता और संदिग्ध एक-दूसरे को जानते थे। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने इस मामले को हत्या के रूप में दर्ज किया था। टोरंटो स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भारतीय मूल की महिला की हत्या पर दुख व्यक्त किया था। दूतावास ने कहा था कि अधिकारी पिछले कुछ दिनों से मामले पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और कनाडाई अधिकारियों के साथ मिलकर परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।गफूरी पर कौन-सा गंभीर आरोप लगाया है। गयौअब्दुल गफूरी 'फर्स्ट-डिग्री मर्डर' के आरोप में कनाडा-व्यापी वारंट के तहत वांछित था। यह एक गंभीर आपराधिक आरोप है, जिसमें अदालत में हत्या के पूर्व नियोजन और इरादे को साबित किए जाने पर पैरोल के बिना आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। अधिकारियों ने बताया कि मामले में कानूनी कार्यवाही जारी है।

एक सदी बाद मिटा गुमनामी का दाग: प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुए थे 9,909 पंजाबी सैनिक इतिहास में दर्ज हुआ नाम

लंदन, एजेंसी। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना की ओर से लड़ते हुए जान गंवाने वाले करीब 10,000 पंजाबी सैनिकों को आखिरकार एक सदी बाद आधिकारिक पहचान मिल गई है। वर्षों तक ब्रिटेन के सरकारी रिकॉर्ड में गुमनाम रहे इन सैनिकों के नाम अब कॉमनवेल्थ वार ग्रेव कमीशन के रजिस्टर में दर्ज किए गए हैं। यह काम ब्रिटिश इतिहासकारों और अधिकारियों की वर्षों की मेहनत के बाद संभव हो पाया है। इस ऐतिहासिक कवायद में 9,909 सैनिकों के नाम आधिकारिक शहीद रिकॉर्ड में शामिल किए गए हैं। भारत में ब्रिटिश शासन के दौर में पंजाब के एक गांव में रहने वाले केसा सिंह भी उन सैनिकों में शामिल थे, जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध में हिस्सा लेने के लिए अपना घर-परिवार छोड़ दिया था। उन्होंने मौजूदा इराक के इलाके में ब्रिटिश

सेना की ओर से लड़ाई लड़ी। ऑटोमन क्षेत्र में युद्ध के दौरान घायल होने के बाद उनकी मौत हो गई और वह फिर कभी अपने घर नहीं लौट सके। हालांकि, ब्रिटेन के आधिकारिक रिकॉर्ड में उन्हें वह सम्मान और पहचान नहीं मिल सकी, जिसकी उनके परिवार को उम्मीद थी।लाहौर संग्रहालय के अभिलेखागार से कैसे मिली सैनिकों की पहचानइन गुमनाम सैनिकों की पहचान का प्रयास 2014 में शुरू हुआ था। इसका नेतृत्व ब्रिटिश इतिहासकार और यूके पंजाब हेरिटेज एसोसिएशन के अध्यक्ष अमनदीप मंद्रा ने किया। शोध के दौरान पाकिस्तान के लाहौर संग्रहालय के अभिलेखागार में प्रथम विश्वयुद्ध में मारे गए पंजाबी सैनिकों के हाथ से लिखे नाम मिले। इन दस्तावेजों से सैनिकों की पहचान, उनके गृह नगर और कुछ मामलों में उनकी मौत से जुड़ी परिस्थितियों का भी पता चला।14 लाख भारतीय सैनिकों ने प्रथम विश्वयुद्ध में निभाई थी भूमिका1914 से 1918 के बीच चले प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप के करीब 14 लाख सैनिकों ने ब्रिटिश भारतीय सेना में सेवा दी थी। इनमें बड़ी संख्या पंजाब से आने वाले सैनिकों की थी। इन सैनिकों ने ब्रिटिश सेना के लिए विभिन्न युद्ध मोर्चों पर लड़ाई लड़ी, लेकिन युद्ध में जान गंवाने के बावजूद बड़ी संख्या में भारतीय सैनिकों को आधिकारिक रिकॉर्ड में वह पहचान नहीं मिली, जो ब्रिटिश सैनिकों को दी गई थी। इंग्लैंड के लीसेस्टर में रहने वाले केसा सिंह के परपोते और डेंटिस्ट डॉ. इंदर सिंह पालाहे ने इस ऐतिहासिक बदलाव पर कहा कि अब उन्हें थोड़ा अधिक पूर्ण महसूस हो रहा है। हालांकि, आधिकारिक रिकॉर्ड में केसा सिंह की उम्र या उनकी मृत्यु की तारीख का उल्लेख नहीं है, लेकिन उनका नाम अब उन सैनिकों की सूची में दर्ज हो गया है, जिन्होंने प्रथम विश्वयुद्ध में अपनी जान गंवाई थी।नस्ली भेदभाव के कारण क्यों छूट गए थे हजारों सैनिकों के नामब्रिटेन ने दोनों विश्वयुद्धों में मारे गए ब्रिटिश सैनिकों की सूचियों को व्यवस्थित तरीके से संभालकर रखा। इनकी संख्या 10 लाख से अधिक थी। इसके विपरीत, एशिया और अफ्रीका के उपनिवेशों से आने वाले करीब 1 लाख सैनिकों और अन्य सैन्यकर्मियों के रिकॉर्ड को उसी तरह संरक्षित और दर्ज करने का प्रयास नहीं किया गया। कॉमनवेल्थ वार ग्रेव्स कमीशन के आधिकारिक इतिहासकार जॉर्ज हे के अनुसार, इन सैनिकों के नाम रिकॉर्ड से छूटने के पीछे भेदभावपूर्ण रवैया और तीन महाद्वीपों में फैले सैन्य संघर्ष के दौरान रिकॉर्ड तैयार करने की व्यावहारिक चुनौतियां, दोनों जिम्मेदार थीं।

डीएमआरसी ने येलो लाइन पर चलाई 'हर घर तिरंगा' थीम वाली मेट्रो

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो ने रविवार को 80वें स्वतंत्रता दिवस के जश्न के तहत आयोजित हफ्ते भर चलने वाले कार्यक्रमों के हिस्से के तौर पर 'हर घर तिरंगा' थीम वाली खास मेट्रो ट्रेन पेश की। यह ट्रेन दिल्ली मेट्रो नेटवर्क की येलो लाइन पर चल रही है। यह जानकारी दिल्ली मेट्रो कारपोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा की। इस साल 'हर घर तिरंगा' अभियान भारत के राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150वें साल के खास मौके को भी मना रहा है। सभी नागरिकों को गर्व के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराने और डिजिटल कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत दिल्ली मेट्रो ने 'हर घर तिरंगा' थीम वाली मेट्रो ट्रेन येलो लाइन पर पेश की है। 'हर घर तिरंगा' अभियान का उद्देश्य लोगों को तिरंगा घर लाने और भारत की स्वतंत्रता के उपलक्ष्य में इसे फहराने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह इस विचार से प्रेरित था कि राष्ट्रीय ध्वज के साथ हमारा संबंध हमेशा से व्यक्तिगत से अधिक औपचारिक और संस्थागत रहा है। इसलिए, एक राष्ट्र के रूप में सामूहिक रूप से ध्वज को घर लाना न केवल तिरंगे के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव का प्रतीक बन गया बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का भी प्रतीक बन गया।

बुजुर्ग के नाम वर्चुअल कार्ड बना खाते से निकाले 3.21 लाख रुपये

गाजियाबाद। नगर कोतवाली क्षेत्र के कालका गढ़ी निवासी एक बुजुर्ग के खाते से साइबर ठगों ने 3.21 लाख रुपये निकाल लिए। आरोप है कि शातिरों ने बैंक एप से वर्चुअल कार्ड बनाकर ठगी को अंजाम दिया। ठगी का पता चलने पर मामले में वेद प्रकाश रवि ने नगर कोतवाली में केस दर्ज कराया है। शिकायत में वेद प्रकाश रवि ने बताया कि वह पेंशनधारक हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में उनका खाता है। उनका कहना है कि शातिरों ने उनकी बैंक एप सिस्टम से वर्चुअल कार्ड बनाकर 12 जुलाई से 15 जुलाई के बीच खाते से 3.21 लाख रुपये निकाल लिए। 15 जुलाई को स्टेटमेंट निकालने पर उन्हें इसका पता चला। ठगी का पता चलने पर उन्होंने तुरंत ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई और फिर नगर कोतवाली में केस दर्ज कराया है। एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय का कहना है कि मामले में 6 अगस्त को केस दर्ज कर लिया गया है। ठगी गई रकम को फ्रीज कराने का प्रयास किया जा रहा है।

झगड़े में बीच बचाव करवाने पर पिता-पुत्र पर हमला

गाजियाबाद। कविनगर के गोविंदपुरम में झगड़े में बीच-बचाव करने पर पिता-पुत्र को हमला कर घायल कर दिया। नीरज सिंह ने कविनगर थाने में सोनी, राहुल और देव समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज कराया है। नीरज सिंह ने शिकायत में बताया कि छह अगस्त की रात उनकी जीडीए मार्केट स्थित दुकान के सामने सोनी, राहुल और देव झगड़ रहे थे। नीरज के रोकने पर हमलावरों ने उनसे गाली-गलौज की। इसके बाद उनके अन्य साथियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। उन्हें पिटता देख पिता रामवीर सिंह बीच-बचाव करने आए, तो हमलावरों ने उन्हें भी पीटा। हमले में पिता-पुत्र को लोहे की रॉड, बैटरी स्टैंड और लाठी-डंडों से गंभीर चोटें आईं। सहायक पुलिस आयुक्त कविनगर सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि आठ अगस्त को केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

805.99 करोड़ का फंड मंजूर, फिर भी कागजों से नहीं निकल रहा मेडिकल कॉलेज; मई में ही मिली थी ईएफसी मंजूरी

नई दिल्ली: द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल परिसर में प्रस्तावित आधुनिक मेडिकल कॉलेज की परियोजना को 805.99 करोड़ रुपये का फंड मंजूर होने के बावजूद जमीन पर काम शुरू होने की दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी है।

मई में आर्थिक वित्त समिति (ईएफसी) से मंजूरी मिलने के करीब तीन महीने बाद 28 जुलाई को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई परियोजना समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने बताया कि मेडिकल कॉलेज का कैबिनेट नोट अभी प्रस्तुत किए जाने की प्रक्रिया में है।

सरकार ने मई में परियोजना को मंजूरी मिलने की जानकारी देते हुए इसे वर्ष 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा था। प्रस्ताव के तहत मेडिकल कॉलेज के साथ अकादमिक ब्लॉक, छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास और फैकल्टी आवास विकसित किए जाने हैं। निर्माण की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की होगी, जबकि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग परियोजना की निगरानी करेगा।

परियोजना की मौजूदा स्थिति इसलिए अहम है क्योंकि ईएफसी की मंजूरी के बावजूद अभी कैबिनेट स्तर की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। 28 जुलाई की समीक्षा बैठक के मिनट्स में कैबिनेट नोट की प्रक्रिया का उल्लेख है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि नोट किस स्तर पर लंबित है और इसमें देरी की वजह क्या है।

ऐसे में 2028 की तय समयसीमा पर भी सवाल उठ रहे हैं। परियोजना में आगे कैबिनेट प्रक्रिया के बाद निर्माण से जुड़े प्रशासनिक और तकनीकी चरण पूरे करने होंगे। यदि इनमें अधिक समय लगता है तो इसका सीधा असर निर्माण शुरू होने और तय समय में कॉलेज तैयार करने की समयसीमा पर पड़ सकता है। फिलहाल सरकारी रिकॉर्ड में देरी का कारण स्पष्ट नहीं है।

अस्पताल और मेडिकल कॉलेज एक परिसर में होगा : इंदिरा गांधी अस्पताल, द्वारका पहले से ही बड़े शिक्षण अस्पताल के रूप में संचालित है। अस्पताल की आधिकारिक योजना के अनुसार इसे 1,725 बिस्तरों वाले शिक्षण अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के रूप में विकसित किया जाना है।

वर्तमान में यहां 1,241 बिस्तरों वाला मल्टी-स्पेशियलिटी शिक्षण अस्पताल संचालित है। दूसरे चरण में 484 बिस्तरों वाले एमसीएच ब्लॉक के साथ मेडिकल कॉलेज और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की भी योजना है। ऐसे में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज को इसी अस्पताल परिसर से जोड़कर विकसित करने का उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा और मरीजों के उपचार के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है। इससे विद्यार्थियों को अस्पताल में व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए बड़ा क्लीनिकल बेस भी मिलेगा।

दिल्ली विधानसभा में साफ-सफाई का मुद्दा गूंजा, CAG रिपोर्ट और सदन में आएंगे तीन बिल

नई दिल्ली: दिल्ली विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही शुरू हो गई है। आज वित्त वर्ष 2024-25 के राज्य वित्त से संबंधित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रिपोर्ट पेश करेंगी। नियम-280 के तहत चर्चा में दिल्ली के विधायकों ने साफ-सफाई का मुद्दा उठाया। सीएजी की एक रिपोर्ट अभी पेश होगी। सदन में तीन बिल आएंगे। विधानसभा की कार्यसूची के अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री पंकज कुमार सिंह दिल्ली (नागरिकों को समयबद्ध एवं सुगम सेवाओं की डिलीवरी का अधिकार) विधेयक, 2026 पेश करेंगे। इसका उद्देश्य नागरिकों को सरकारी सेवाएं तय समयसीमा में उपलब्ध कराने और सेवा वितरण में जवाबदेही सुनिश्चित करने की व्यवस्था को संस्थागत रूप देना है। पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा दिल्ली बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठान (निरसन) विधेयक, 2026 को विचार और पारित करने के लिए सदन में रखेंगे। यह विधेयक सात अगस्त को पेश किया गया था। वहीं, बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की पांचवीं रिपोर्ट को अपनाया जाएगा। विधायक शिखा राय के दिल्ली लक्ष्मी योजना संबंधी बधाई प्रस्ताव पर चर्चा जारी रहेगी। मार्च 2023 में समाप्त वित्त वर्ष से संबंधित पूर्व में पेश कैग रिपोर्ट पर भी चर्चा की संभावना है। विधायक नियम-280 के तहत जनहित के मुद्दे उठा सकेंगे। भाजपा ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी के 22 विधायकों के आवास और कार्यालयों पर जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया है। दिल्ली विधानसभा में महिलाओं के लिए लाई गई दिल्ली लक्ष्मी योजना का बहिष्कार करने वाली आम आदमी पार्टी के सभी 22 विधायकों के घर ऑफिस पर भजपा कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

दिल्ली लक्ष्मी योजना के विरोध पर भाजपा का बड़ा कदम, 'आप' के 22 विधायकों के घरों के बाहर होगा प्रदर्शन

नई दिल्ली, 9 अगस्त (आईएएनएस)। दिल्ली भाजपा ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के 22 विधायकों के घरों के बाहर एक साथ प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। भाजपा का कहना है कि ये प्रदर्शन दिल्ली विधानसभा में आप विधायकों द्वारा दिल्ली लक्ष्मी योजना का विरोध किए जाने के खिलाफ किए जाएंगे।

दिल्ली भाजपा के एक नेता ने रविवार को बताया कि पार्टी के महासचिव एमएल गिहारा सुबह 8 बजे होने वाले इन सभी प्रदर्शनों का समन्वय करेंगे। प्रदर्शन एक साथ 22 आप विधायकों के आवासों के बाहर किए जाएंगे।

इस बीच दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने आप नेताओं अरविंद केजरीवाल और सौरभ भारद्वाज पर निशाना साधते हुए कहा कि वे राजनीतिक निराशा के संकेत दे रहे हैं और केवल सुर्खियों में बने रहने के लिए गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं। कपूर ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा दिल्ली में कराए जा रहे विकास कार्यों और महिलाओं व बेटियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं से आप की राजनीतिक स्थिति कमजोर हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब विधानसभा चुनाव में आप की संभावित हार को लेकर सर्वे सामने आने के बाद से अरविंद केजरीवाल की पूरी टीम बेबुनियाद आरोप लगाने और फिर उनसे बचने की राजनीति कर रही है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि आप नेताओं की राजनीतिक भाषा पूरी तरह से मयार्दा खो चुकी है। कपूर ने कहा कि दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा है कि आप दिल्ली संयोजक सौरभ भारद्वाज और विधायक संजीव झा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली सरकार पर झूठे और निराधार आरोप लगाने की कोशिश की। सिरसा ने कहा कि दिल्ली की जनता अब आप नेताओं पर भरोसा नहीं करती है। उन्होंने कहा, "दिल्ली सरकार में कोई घोटाला नहीं हुआ है। मैं सौरभ भारद्वाज और संजीव झा को कड़ी चेतावनी देता हूं कि वे झूठ और धोखे की राजनीति बंद करें और माफी मांगें, अन्यथा कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें।" भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि केजरीवाल और भारद्वाज समेत सभी आप नेताओं के लिए बेहतर होगा कि वे भाजपा और दिल्ली सरकार से माफी मांगें, अन्यथा दिल्ली, पंजाब और देश की जनता उन्हें राजनीतिक रूप से जवाब देगी। बता दें कि दिल्ली लक्ष्मी योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। उत्तर-पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली की महिलाओं ने इस योजना में सबसे अधिक रुचि दिखाई है।

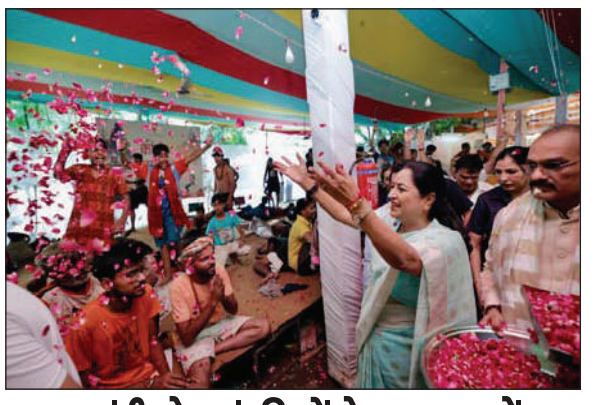

मुख्यमंत्री ने कांवड़ियों के स्वागत में बिछाए पलक पांवडे

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शिव भक्तों के सम्मान में पलक पांवडे बिछा दिए हैं। मुख्यमंत्री लगातार कांवड शिविरों का निरीक्षण कर शिव भक्तों की सेवा में जुटी हैं। रविवार को मुख्यमंत्री मायापुरी और पीतमपुरा पहुंची और शिव भक्तों का स्वागत किया। शिविर आयोजकों से स्पष्ट रूप से मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी शिव भक्त को परेशानी नहीं होनी चाहिए। 11 अगस्त की तारीख नजदीक आते ही शिव भक्तों का दिल्ली पहुंचना शुरू हो गया है। स्थिति यह है कि देश की राजधानी दिल्ली बाबा भोले के रंग में दिखाई देने लगी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मायापुरी और पीतमपुरा पहुंचकर शिविरों में उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया और शिव भक्तों से मिलकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने इससे पहले शिव भक्तों पर पुष्प वर्षा की। उन्होंने कहा कि गंगाजल लेकर दिल्ली पहुंच रहे शिव भक्त आदर और सम्मान के पात्र हैं। बीते साल की तरह इस बार भी उनकी सरकार कांवड़ियों के स्वागत में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। उनकी सरकार पूरी निष्ठा के साथ शिव भक्तों की सेवा में जुटी है। मुख्यमंत्री ने कांवड़ियों के साथ संवाद कर सुखद यात्रा की जानकारी ली। मुख्यमंत्री के साथ पूर्व सांसद रमेश बिधूडी, विधायक अनिल शर्मा, उमंग बजाज समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं पार्टी कार्यकर्ता भी थे। मुख्यमंत्री ने रविवार को पूरा दिन कांवड शिविरों में बिताया। मुख्यमंत्री ने शिव भक्तों से शिविरों में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड यात्रा आस्था, अनुशासन और सेवा के लिए अलग-अलग संस्थाओं को श्रद्धालुओं की सेवा की ज़िम्मेदारी दी गई है। उनका कहना था कि दिल्ली से गुजरने वाले सभी श्रद्धालुओं की पर्याप्त सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित हो। उनकी सरकार के अधिकारी पूरी निष्ठा के साथ सेवा में लगे हैं। मुख्यमंत्री ने सभी शिविर आयोजकों का आभार जताते हुए कहा उनकी यह निर्थक नहीं जाएगी। उन्होंने कांवड़ियों को सफल यात्रा की कामना करते हुए भोले बाबा से आशीर्वाद मांगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा दिल्ली वासियों पर आशीर्वाद बनाए रखेंगे।

बेटे ने पिता पर लगाया आरोप- उनके नाम पर दर्ज प्रॉपर्टी को छिपाया

गाजियाबाद। सिहानी गेट क्षेत्र में एक युवक ने अपने पिता पर दादी की ओर से उसके नाम की गई वसीयत को छिपाकर पूरी संपत्ति पर अपना नाम दर्ज कराने का आरोप लगाया है। आरोप है कि इसके बाद बिना उन्हें जानकारी दिए मकान दूसरे व्यक्ति को बेच दिया गया। जबकि उसमें आधा हिस्सा उनका था। शिकायत के बाद जीडीए ने अभिलेखों से पिता का नाम निरस्त कर दिया। मामले में शांतनु मोहन केन ने सिहानी गेट थाने में पिता विनय मोहन केन, राजेश कुमार गुप्ता और पांच अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। शिकायत में मूलरूप से सिहानी गेट क्षेत्र के लोहिया नगर और हाल में गढ़ रोड हापुड़ स्थित भीमनगर में रहने वाले शांतनु मोहन केन ने बताया कि लोहिया नगर स्थित भवन उनकी दादी विमला केन उर्फ विमला जाटव के नाम था। दादी ने अपने जीवनकाल में 27 अप्रैल 2022 को पंजीकृत वसीयत कराई थी। इसमें संपत्ति का आधा-आधा हिस्सा अपने बेटे विनय मोहन केन और उनके नाम किया गया था। शांतनु मोहन का कहना है कि 26 जून 2024 को दादी की मौत के बाद उनके पिता विनय मोहन केन ने वसीयत में उनके हिस्से की जानकारी छिपाई। इसके बाद पिता ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जीडीए के अभिलेखों में अपना नाम दर्ज करा लिया। उन्हें इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने जीडीए में आपत्ति दर्ज कराई। दोनों पक्षों को सुनने और दस्तावेजों की जांच के बाद जीडीए ने 11 जून 2026 को संबंधित संपत्ति के अभिलेखों से उनके पिता का नाम निरस्त कर दिया। आरोप है कि दो जून को वह अपनी मां रीता के साथ वहां पहुंचे तो मकान के बाहर राजेश कुमार गुप्ता का बोर्ड लगा मिला। अंदर पहुंचते ही राजेश और उसके परिवार के चार-पांच सदस्यों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोपियों ने कहा कि मकान उन्होंने खरीद लिया है। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके और उनकी मां के साथ मारपीट की और उन्हें मकान से बाहर निकाल दिया। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद का कहना है कि शिकायत के आधार पर 7 अगस्त को केस दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बंधक जमीन बेचकर 11 लाख रुपये की फर्जी रसीद बनाई

गाजियाबाद। सिहानी गेट क्षेत्र में सहकारी ग्राम विकास बैंक से बंधक रखी जमीन को बेचने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने लोन पूरा होने की फर्जी रसीद बनाकर खरीदारों को गुमराह किया। बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक निशा पाल ने अब्दुल्ला खां और मुस्तफा खां के खिलाफ सिहानी गेट थाने में केस दर्ज कराया है। ढबारसी गांव निवासी ईदा खां ने दुग्ध प्रसंस्करण योजना के लिए बैंक से चार लाख रुपये का लोन लिया था। उन्होंने अपनी भूमि बैंक के पक्ष में बंधक रखी थी। बैंक का दावा है कि जमीन पर उनका प्रथम चार्ज था। ईदा खां की मृत्यु के बाद यह बंधक भूमि उनके पुत्रों अब्दुल्ला खां और मुस्तफा खां को विरासत में मिली। लोन का भार भी वारिसों पर बना रहा। आरोप है कि बैंक का प्रथम चार्ज होने के बावजूद दोनों भाइयों ने जमीन बेच दी। बैंक प्रबंधन को जानकारी मिलने पर मामले की जांच की गई। जांच में फजीर्वाड़े का खुलासा हुआ। जमीन की बिक्री के दौरान खरीदारों को बताया गया कि लोन खाता बंद हो चुका है। उन्हें भरोसा दिलाया गया कि जमीन पर बैंक का कोई बकाया नहीं है। बैंक ने मूल रूप से एक लाख रुपये जमा होने की रसीद जारी की थी। आरोप है कि इस रसीद को फर्जी तरीके से ग्यारह लाख रुपये का कर दिया गया। इसी फर्जी रसीद के आधार पर खरीदारों को लोन का पूरा भुगतान होने की बात कही गई। सहायक पुलिस आयुक्त नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने इस मामले पर बयान दिया है। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घर में बर्तन धो रही किशोरी को सांप ने डसा, मौत

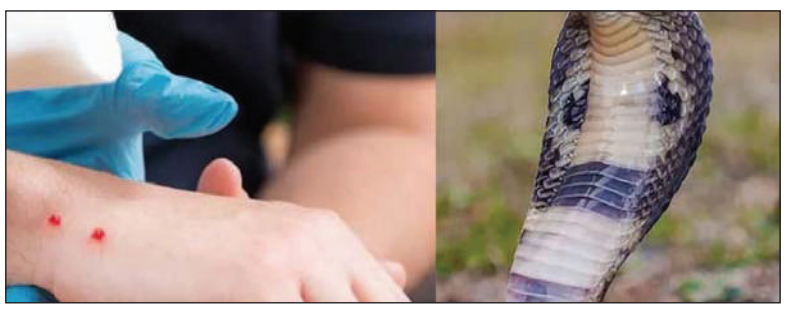

गाजियाबाद। मसूरी क्षेत्र के बयाना गांव में रविवार रात सर्पदंश से 15 वर्षीय किशोरी साक्षी की मौत हो गई। पड़ोसी अरुण चंद्रा ने बताया कि रात करीब 8:30 बजे कल्लू की बेटी साक्षी घर में बर्तन धो रही थी। इसी दौरान काले रंग के सांप ने उसके हाथ में डस लिया। परिजन साक्षी को नौ बजे उपचार के लिए तीन निजी अस्पतालों में लेकर गए, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अरुण चंद्रा ने बताया कि साक्षी की मां राखी की भी करीब 15 वर्ष पहले सर्पदंश से मौत हुई थी।

जिले में पिछले 15 दिनों में अलग क्षेत्रों में 18 लोगों को सांप काट चुके हैं। इनमें तत्काल इलाज के बाद 12 लोगों की जान बच चुकी है। अस्पताल पहुंचने में देरी की वजह से चार की जान भी जा चुकी है। हालांकि पोस्टमार्टम किसी का नहीं हुआ था। जानकारी के अनुसार भट्ठा नंबर पांच क्षेत्र में रहने वाले एक माली की सर्पदंश से मौत हो गई थी, जबकि उनकी पत्नी पत्नी की हालत गंभीर होने पर उसे दिल्ली रेफर किया गया था। डिडौली में दो कांवड़ियों को शिविर में सांप ने डस लिया था, जिसमें एक की मौत हो गई थी, जबकि दूसरे कांवड़िये को गंभीर हालत में दिल्ली रेफर किया गया था। दस दिन पहले चिपियाना की एक महिला की एमएमजी अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई थी।

बरसात में क्यों बढ़ते हैं सर्पदंश के मामले

जिला पशु चिकित्साधिकारी डॉ. एसपी पांडेय का कहना है कि बारिश के मौसम में बिलों और जमीन के भीतर पानी भरने के कारण सांप सुरक्षित स्थान की तलाश में बाहर निकलते हैं। खेतों, झाड़ियों, नालियों और घरों के आसपास उनकी मौजूदगी बढ़ जाती है। रात और अंधेरे में सांप दिखाई नहीं देने के कारण सर्पदंश की घटनाएं अधिक होती हैं।

एमएमजी अस्पताल के फिजिशियन डॉ. आलोक रंजन का कहना है कि सर्पदंश के मामलों में मरीज को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाना बेहद जरूरी है। सर्पदंश के बाद जितनी जल्दी अस्पताल पहुंच जाएं, उतना ही जीवन बचने की संभावना अधिक रहती है।

इस तरह से करें सर्पदंश से बचाव

घर के आसपास झाड़ियां और कूड़ा जमा न होने दें। रात में बाहर निकलते समय टॉर्च का इस्तेमाल करें और जूते पहनकर ही चलें।

बिस्तर और जमीन पर रखे कपड़ों को इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह जांच लें।

सांप के काटने पर घाव को काटने, चूसने या कसकर बांधने की कोशिश न करें।

मरीज को बिना देरी किए ऐसे अस्पताल ले जाएं जहां सर्पदंश का उपचार और एंटी स्नेक वेनम उपलब्ध हो।

सिरसा ने सौरभ भारद्वाज व संजीव झा को दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

नई दिल्ली। दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मनजिंदर सिंह सिरसा ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के दिल्ली संयोजक सौरभ भारद्वाज और विधायक संजीव झा के जरिए सस्ता चावल खरीद को लेकर आरोप को बेबुनियाद, झूठे, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण बताया। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इन आरोपों का मकसद साफ तौर पर मेरी छवि खराब करना है। उन्होंने कहा कि दोनों माफी मांगें या अदालत में मिलें। सिरसा ने सौरभ भारद्वाज और संजीव झा को इन झूठे आरोपों को वापस लेने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए 24 घंटे का समय दिया है। उन्होंने कहा कि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो मैं उन दोनों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने और इन दुर्भावनापूर्ण हरकतों के लिए उन्हें जवाबदेह ठहराने के लिए मजबूर हो जाऊंगा।

उल्लेखनीय है कि सौरभ भारद्वाज और संजीव झा ने प्रेस कांफ्रेंस करते हुए दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार और मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा पर घोटाले की साजिश का आरोप लगाया है। दोनों का कहना है कि सरकार की योजना गरीबों के लिए सस्ता चावल खरीद उसे आगे बेचकर कमाने की थी। आआपा नेताओं ने दावा किया कि दिल्ली सरकार और असम की एक संस्था ने मिलकर फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) से सब्सिडी वाला चावल हासिल कर उसे निजी हाथों में बेचने की सुनियोजित योजना बनाई थी। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत दिल्ली के गरीबों के बीच बांटने के नाम पर एफसीआई से हर सप्ताह 31 हजार मीट्रिक टन रियायती चावल की मांग की गई थी। आरोप है कि यह भारी-भरकम चावल दिल्ली के किसी भी जरूरतमंद नागरिक तक पहुंचने के बजाय सीधे हरियाणा की एक निजी कंपनी को भारी मुनाफे पर बेचा जानाा था। आआपा नेताओं ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि इस फजीर्वाड़े से हर सप्ताह लगभग 143 करोड़ रुपये के घोटाले का खाका तैयार किया गया था। यदि यह तंत्र लगातार 3 वर्षों तक सक्रिय रहता, तो यह कुल 22 हजार करोड़ रुपये का एक विशाल संस्थागत घोटाला साबित होता।

भारतीय व्यापार महोत्सव व्यापार शक्ति, उपलब्धियों और आकांक्षाओं का विराट उत्सव : खंडेलवाल

कहा, भारत की उद्यमशीलता, व्यापार, आत्मनिर्भरता और वैश्विक क्षमता का भव्य प्रदर्शन

नई दिल्ली। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने रविवार को भारत मंडपम में भारतीय व्यापार महोत्सव का भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि यह केवल व्यापार प्रदर्शनी नहीं, बल्कि 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर इंडिया, मेड फॉर वर्ल्ड' की भावना का जीवंत प्रदर्शन होगा। भारत मंडपम में 12 से 15 अगस्त तक होने वाले इस महोत्सव का उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। खंडेलवाल ने रविवार को भारत मंडपम में भूमि पूजन के बाद महोत्सव की औपचारिक तैयारियों का जायजा लेते हुए कहा कि भारत की व्यापारिक शक्ति, उद्यमशीलता, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को एक भव्य मंच प्रदान करने वाले इस महोत्सव का संयुक्त आयोजन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) और इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन (आईटीपीओ) कर रहा है। खंडेलवाल ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों के भारतीय उत्पादों, पारंपरिक शिल्प, आधुनिक विनिर्माण, सूक्ष्म ,लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), स्टार्टअप्स और ब्रांड्स के विशाल प्रदर्शन के साथ बीवीएम 2026 में कुछ ऐसे विशेष थीम पवेलियन होंगे, जो इसे सामान्य व्यापार मेलों से अलग पहचान देंगे। खंडेलवाल ने बताया कि विभिन्न देशों के साथ किए गए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स (एफटीए) पर आधारित विशेष पवेलियन व्यापारियों और उद्यमियों को यह बताएगा कि बदलते वैश्विक व्यापार परिदृश्य में भारतीय उत्पादों के लिए नए बाजार और निर्यात के अवसर कहां हैं। यह पवेलियन विशेष रूप से 'लोकल टू ग्लोबल' के संकल्प को जमीन पर उतारने का माध्यम बनेगा। कैट महामंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों की भारत की विकास यात्रा, आर्थिक परिवर्तन, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल क्रांति, स्टार्टअप इकोसिस्टम, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा तथा राष्ट्रीय गौरव से जुड़ी प्रमुख उपलब्धियों को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। कैट महामंत्री ने कहा कि दिव्यांग उद्यमियों और प्रतिभाशाली व्यक्तियों के उत्पादों एवं उद्यमों के लिए विशेष एबिलिटी एक्सपो आयोजित किया जाएगा। इसका संदेश स्पष्ट होगा जिसमें, क्षमता किसी शारीरिक सीमा की मोहताज नहीं होती, अवसर मिले तो प्रतिभा अपनी पहचान स्वयं बनाती है। उन्होंने कहा कि महिला उद्यमियों, महिला उद्यम, कारीगरों और नवाचार करने वाली महिलाओं को विशेष मंच देते हुए 'नारी वंदन पैविलियन' महिला शक्ति को आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ने का अनूठा प्रयास होगा।

तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रभक्ति के संदेश के साथ मंत्री राजपूत ने निकली भव्य तिरंगा यात्रा

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने हजारों कार्यकर्ताओं के साथ हाथ में तिरंगा लेकर किया नेतृत्व

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के प्रति सम्मान, राष्ट्रभक्ति की भावना और देश की एकता-अखंडता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अपने निज निवास मातेश्वरी से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। मंत्री श्री राजपूत स्वयं हाथ में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए। उनके साथ हजारों कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं नागरिकों ने तिरंगा हाथ में लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष के साथ राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान और संगठन के कार्यक्रम के अनुसार आयोजित इस तिरंगा यात्रा का उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को और मजबूत करना है। सुरखी विधानसभा क्षेत्र में यह अभियान लगातार आगे बढ़ेगा और विधानसभा के विभिन्न ग्रामों में धूमधाम के साथ तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि तिरंगा भारत की आन, बान और शान का प्रतीक है। इसके तीन रंग और अशोक चक्र हमें देश की विविधता, शांति, साहस, प्रगति और कर्तव्य का संदेश देते हैं। तिरंगे को हाथ में लेकर चलना केवल एक कार्यक्रम में शामिल होना नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने सम्मान और जिम्मेदारी को व्यक्त करना है। उन्होंने कहा कि देश को स्वतंत्र कराने के लिए असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। आज हम जिस स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, उसके पीछे वीरों का त्याग, तपस्या और बलिदान है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से नई पीढ़ी को देश के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रध्वज के महत्व से जोड़ना भी हमारा दायित्व है।

श्री राजपूत ने कहा कि सुरखी विधानसभा के हर मंडल में यह तिरंगा यात्रा भव्यता के साथ निकाली जायेगी। राहतगढ़ और जैसीनगर मंडल में 14 अगस्त को बिलहरा मंडल में 11 अगस्त को तथा सीहोरा मंडल में 12 अगस्त को यह यात्रा निकाली जायेगी। हर व्यक्ति तक राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचे, यही इस अभियान का उद्देश्य है। गांव-गांव निकलने वाली तिरंगा यात्राएं समाज के प्रत्येक वर्ग को देश के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण कराएंगी।

श्री राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2022 में आजादी के 75वें वर्ष के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य देशवासियों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करना तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को जनभागीदारी के माध्यम से मजबूत करना था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समय-समय पर 'हर घर तिरंगा' अभियान को देशभर में तिरंगे के प्रति नागरिकों के सम्मान और राष्ट्रभावना से जोड़ते हुए लोगों से इसमें सहभागी बनने का आह्वान किया है। इसी राष्ट्रव्यापी भावना को आगे बढ़ाते हुए भारतीय जनता पार्टी द्वारा तिरंगा यात्राओं के माध्यम से लोगों को राष्ट्रध्वज के सम्मान, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और देश की एकता-अखंडता के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 'हर घर तिरंगा' अभियान और तिरंगा यात्राओं को लेकर उत्साह का वातावरण है।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस की गरिमा को बढ़ाने, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने और अपने घरों पर तिरंगा फहराने का आह्वान किया है। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज विकास के साथ-साथ अपनी गौरवशाली विरासत और राष्ट्रीय मूल्यों को भी मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में भी राष्ट्रभक्ति, विकास और जनभागीदारी की भावना को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सांसद आलोक शर्मा ने पुराने भोपाल में यातायात व्यवस्था सुधारने पुलिस कमिश्नर से की चर्चा

- मोती मस्जिद-सदर मंजिल मार्ग से बैरिकेडिंग हटाने और विपरीत दिशा में चलने वाले वाहनों पर सख्ती के निर्देश

भोपाल । पुराने भोपाल के बाजारों में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण को लेकर भोपाल सांसद श्री आलोक शर्मा ने शनिवार को पुलिस कमिश्नर श्री संजय कुमार के साथ बैठक की। बैठक में भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स सहित विभिन्न व्यापारी संगठनों के पदाधिकारियों ने बाजार क्षेत्रों में लगातार लगने वाले जाम, अनावश्यक बैरिकेडिंग, अतिक्रमण और यातायात से जुड़ी अन्य समस्याओं से सांसद को अवगत कराया।

व्यापारियों ने मोती मस्जिद के समीप की गई बैरिकेडिंग के कारण बाजारों में आवागमन प्रभावित होने की समस्या प्रमुखता से रखी। इस पर सांसद श्री आलोक शर्मा ने पुलिस कमिश्नर से कहा कि मोती मस्जिद से सदर मंजिल की ओर जाने वाले मार्ग पर की गई अनावश्यक बैरिकेडिंग को हटाया जाए, ताकि आम नागरिकों और व्यापारियों को आवागमन में परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए विपरीत दिशा में वाहन चलाने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए, जिससे यातायात भी सुचारू रहे और बाजारों में आने-जाने वाले लोगों को सुविधा मिले।

सांसद श्री आलोक शर्मा ने कहा कि पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और जिला प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी नागरिकों को बेहतर और सुगम व्यवस्था उपलब्ध कराना है। इसलिए यातायात व्यवस्था में ऐसे प्रबंध किए जाने चाहिए, जिनसे आम जनता के साथ-साथ व्यापारियों को भी अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में सुल्तानिया रोड और इमामी गेट क्षेत्र में अतिक्रमण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। सांसद श्री शर्मा ने कहा कि इकबाल मैदान के आसपास सड़क किनारे बड़ी संख्या में फल-सब्जियों के ठेले लगने से यातायात प्रभावित हो रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अतिक्रमण हटाने के साथ ही ठेले-खोमचे वालों के लिए व्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई, ताकि रोजगार भी प्रभावित न हो और यातायात व्यवस्था भी सुचारू बनी रहे।

पुलिस कमिश्नर श्री संजय कुमार ने सांसद श्री आलोक शर्मा को आश्वस्त किया कि आमजन की सुविधा और सुगम यातायात को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि संबंधित क्षेत्रों का यातायात विशेषज्ञों के माध्यम से सर्वे कराया जाएगा और सर्वे के आधार पर जनहित में उचित निर्णय लिया जाएगा।

बैठक में भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री गोविंद गोयल सहित विभिन्न व्यापारी संगठनों के पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एम्स भोपाल को मिला नया एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर

अब रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल नरेंद्र कोटवाल संभालेंगे संस्थान की प्रशासनिक और चिकित्सा व्यवस्था की कमान

भोपाल (नप्र)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल को अब स्थायी नेतृत्व मिलने जा रहा है। केंद्र सरकार की कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) नरेंद्र कोटवाल को एम्स भोपाल का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार उनकी नियुक्ति अनुबंध के आधार पर की गई है। नियुक्ति से संस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव होगा।

तीन साल की नियुक्ति, 70 वर्ष की उम्र तक पद पर रहेंगे : आदेश के अनुसार नरेंद्र कोटवाल की नियुक्ति तीन साल के लिए की गई है। उनका कार्यकाल कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी होगा। हालांकि, वे 70 वर्ष की आयु पूरी होने या केंद्र सरकार के अगले आदेश, जो भी पहले हो, तक ही इस पद पर रहेंगे। उन्हें लेवल-15 के वेतन मैट्रिक्स के अनुसार नियुक्त किया गया है।

एएफएमसी पुणे के डायरेक्टर और कमांडेंट रह चुके हैं

नरेंद्र कोटवाल के पास चिकित्सा क्षेत्र के साथ सैन्य चिकित्सा प्रशासन का लंबा अनुभव है। वे पुणे स्थित आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल कॉलेज (एएफएमसी) के डायरेक्टर एवं कमांडेंट रह चुके हैं। वर्तमान में वे पंचकूला स्थित पारस हेल्थ में एंडोक्राइनोलॉजी विभाग के डायरेक्टर के रूप में कार्यरत हैं। सैन्य चिकित्सा संस्थान में प्रशासनिक जिम्मेदारी संभालने का उनका अनुभव एम्स भोपाल के संचालन में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पेड़ सूखे तो सस्पेंड होंगे एसडीओ, सब इंजीनियर

सड़क किनारे लगे पेड़ों की अनदेखी पर सख्ती, पीडब्ल्यूडी का फरमान

भोपाल (नप्र)। अब तक घटिया सड़क निर्माण के मामले में निलंबन और अन्य विभागीय सजा पाने वाले लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों को अब सड़कों के किनारे लगाए गए पेड़ सूखने या उनकी देखभाल में कमी पर सस्पेंड किया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग ने पेड़ सूखने के मामले में एसडीओ और सब इंजीनियर को सीधा जिम्मेदार मानने का फैसला किया है। लोक निर्माण विभाग ने अब इसके लिए प्रमुख अभियंता (सड़क और भवन) को इस तरह के मामलों में सख्ती करने के निर्देश दिए हैं।

राज्य सरकार को लोक निर्माण विभाग मंत्रालय ने इसको लेकर जारी ताजा निर्देश में कहा है कि मार्गों के किनारे लगाए गए पौधों और पेड़ों के संरक्षण एवं रखरखाव में किसी तरह की लापरवाही नहीं होना चाहिए। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पौधों के तनों के चारों ओर तय मानक के अनुसार 45 सेंटीमीटर तक मिट्टी, मुरम की मल्चिंग की व्यवस्था की जाए। विभाग के मुताबिक निर्माण कार्यों और मार्गों के निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर इन निर्देशों का समुचित पालन नहीं पाया गया। ऐसे ही एक मामले में भोपाल में एक सब इंजीनियर को सस्पेंड भी किया जा चुका है।

मंत्रालय से जारी आदेश में सभी मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता और कार्यपालन अभियंता से कहा गया है कि अपने अधिकार क्षेत्र में इस मामले में सख्ती से कार्य कराएं और मॉनिटरिंग कराएं। इसको लेकर भोपाल में एक उच्चस्तरीय बैठक में भी हो चुकी है जिसमें अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने चेतावनी दी है कि निर्देशों के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी, निर्माण एजेंसी और ठेकेदार के विरुद्ध प्रचलित नियमों के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। निर्देशों के पालन की जिम्मेदारी संबंधित उपखंड अधिकारी की होगी।

अधिकारियों को दिए गए ये निर्देश

- हर पौधे के तने के चारों ओर तय मानक के अनुसार 45 सेमी तक मिट्टी, मल्चिंग की व्यवस्था की जाए।
- पौधों की नियमित सुरक्षा एवं रखरखाव की लगातार निगरानी की जाए।
- संबंधित अधिकारी स्वयं निरीक्षण कर यह तय करें कि निर्माण एजेंसी या ठेकेदार द्वारा निर्देशों की अनदेखी न की जाए।
- पौधों के संरक्षण में किसी तरह की लापरवाही मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

आईसीएआई की राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रारंभ का भोपाल में भव्य आगाज-600 से अधिक सीए कर रहे टैक्स के ज्वलंत मुद्दों पर मंथन

भोपाल। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की डायरेक्ट टैक्सेस कमेटी और मध्य भारत क्षेत्रीय परिषद की भोपाल शाखा के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार प्रारंभ का शनिवार को शहर के कोर्टयार्ड बाय मैरियट में भव्य आगाज हुआ। इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश सहित देशभर से पहुंचे 600 से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और कर विशेषज्ञों ने प्रत्यक्ष कर (डायरेक्ट टैक्स) से जुड़े अहम मुद्दों पर गहन मंथन किया।

सेमिनार का मार्गदर्शन डायरेक्ट टैक्सेस कमेटी के उपाध्यक्ष पंकज शाह और कॉन्फ्रेंस डायरेक्टर अभय छाजेड़ ने किया। उद्घाटन सत्र के बाद प्रत्यक्ष कर की जटिलताओं को लेकर विषय-विशेषज्ञों ने अलग-अलग तकनीकी सत्रों में अपनी बात रखी।

आयकर के नए प्रावधानों और न्यायिक फैसलों पर हुई चर्चा

सम्मेलन के पहले दिन कुल तीन प्रमुख तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। प्रथम सत्र में कपिल गोयल ने आयकर अधिनियम के तहत सर्वोच्च और उच्च न्यायालयों के ऐतिहासिक फैसलों पर विस्तृत तकनीकी विश्लेषण प्रस्तुत किया। इसके बाद दोपहर के सत्र में प्रमोद कुमार ने फाइनेंस एक्ट 2026 और आयकर अधिनियम संशोधन 2025 के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला और नए टैक्स प्रावधानों के व्यावहारिक असर को समझाया। वहीं, शाम के सत्र में पंकज शाह ने टैक्स ऑडिट रिपोर्ट में होने वाली सामान्य त्रुटियों (कॉमन नॉन-कंप्लायंस) पर चर्चा की और ऑडिट प्रक्रिया की कानूनी बारीकियों से सदस्यों को रूबरू कराया।

आयोजन में इनकी रही अहम भूमिका

इस बड़े राष्ट्रीय आयोजन को सुव्यवस्थित रूप देने में आईसीएआई भोपाल शाखा के अध्यक्ष आदित्य श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष प्रदीप मुटरेजा, सचिव अभिषेक जैन, कोषाध्यक्ष नंदन नरुला, सिकासा अध्यक्ष पीयूष चतर समेत कार्यसमिति सदस्य अर्पित राय और सुचिता गोयल की अहम भूमिका रही। संगोष्ठी के दूसरे और अंतिम दिन (9 अगस्त) अंतर्राष्ट्रीय कराधान (इंटरनेशनल टैक्सेशन) और सर्च-सीजर जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

अभिषेक शर्मा करेंगे 'अखिल रेल हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' में पश्चिम मध्य रेलवे का प्रतिनिधित्व

- क्षेत्रीय रेल हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर बढ़ाया कारखाने का गौरव

भोपाल। राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने एवं हिंदी में सरकारी कामकाज के प्रति रुचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय द्वारा 'अखिल रेल हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' योजना लागू की गई है।

इसी क्रम में मुख्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे के निर्देशानुसार सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, भोपाल में मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री प्रफुल्ल वी. कोहाड़े के संरक्षण एवं संपर्क राजभाषा अधिकारी एवं सहायक कार्मिक अधिकारी श्री संदीप शर्मा के निर्देशन में 20 जुलाई 2026 को कारखाना स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 80 रेल कर्मचारियों ने भाग लिया। इसमें कार्मिक विभाग के अवर लिपिक श्री अभिषेक शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।इसके पश्चात 07 अगस्त 2026 को मुख्यालय, जबलपुर में आयोजित क्षेत्रीय रेल हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पश्चिम मध्य रेलवे की 06 यूनिटों के 18 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। तीन राउंड में आयोजित इस प्रतियोगिता में श्री अभिषेक शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस उपलब्धि के साथ श्री अभिषेक शर्मा अब रेलवे बोर्ड स्तर पर आयोजित होने वाली 'अखिल रेल हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता-2026' में पश्चिम मध्य रेलवे का प्रतिनिधित्व करेंगे। श्री शर्मा की सफलता पर कारखाने में खुशी की लहर दौड़ गई। मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री प्रफुल्ल वी. कोहाड़े सहित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें बधाई एवं आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्री संदीप शर्मा की अध्यक्षता में स्वागत समारोह आयोजित कर श्री अभिषेक शर्मा का पुष्पमाला पहनाकर अभिनंदन किया गया। श्री अभिषेक शर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय राजभाषा अनुभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए मार्गदर्शन एवं सहयोग को दिया। श्री संदीप शर्मा ने आगामी प्रतियोगिता के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए अन्य कर्मचारियों से भी इस उपलब्धि से प्रेरणा लेने की अपील की।

ब्यावरा विधानसभा को प्रदेश में अव्वल बनाने के लिए समन्वित प्रयास करें अधिकारी: राज्यमंत्री पंवार

- अनुभाग स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक में योजनाओं, विकास कार्यों और जनसमस्याओं की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

भोपाल । मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पंवार की अध्यक्षता में शनिवार को ब्यावरा विधानसभा की अनुभाग स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। राज्यमंत्री श्री पंवार ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, विभागीय गतिविधियों तथा आमजन से जुड़े विषयों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि ब्यावरा विधानसभा को उत्कृष्ट एवं पूरे प्रदेश में अव्वल बनाने के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करना होगा। राज्यमंत्री श्री पंवार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का लाभ हर पात्र हितग्राही तक समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न हो तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का दायित्व केवल कार्यालय तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें नियमित रूप से क्षेत्र में पहुंचकर योजनाओं और विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेना चाहिए।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए स्कूलों की रैंडम चेकिंग के निर्देश : राज्यमंत्री श्री पंवार ने बैठक में विद्यालयों के परीक्षा परिणामों को लेकर चिंता व्यक्त की और शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विद्यालयों की रेंडम चेकिंग की जाए और शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा पढ़ाई के स्तर की लगातार निगरानी की जाए।

कुपोषित बच्चों पर विशेष ध्यान दे स्वास्थ्य विभाग : राज्यमंत्री श्री पंवार ने क्षेत्र में कुपोषित बच्चों की स्थिति की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर कुपोषित बच्चे की नियमित निगरानी एवं समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी बच्चे को स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सुविधाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए तथा संबंधित अधिकारी जमीनी स्तर पर इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग करें। राज्यमंत्री श्री पंवार ने कहा कि किसानों की प्रत्येक समस्या का प्राथमिकता से निराकरण होना चाहिए। क्षेत्र का किसान आत्मनिर्भर और समृद्ध बने, इसके लिए विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी प्रत्येक किसान तक पहुंचाई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि पात्र किसान किसी भी योजना के लाभ से वंचित न रहे। राज्यमंत्री श्री पंवार ने अधिकारियों से कहा कि वे केवल कार्यालयीन कार्यों तक सीमित न रहें, बल्कि नियमित रूप से फील्ड में जाएं और नागरिकों एवं किसानों से संवाद करें।

मप्र के 20 से ज्यादा जिलों में बारिश,नरसिंहपुर में 3, श्योपुर में 2.8 इंच पानी गिरा

शिवपुरी में नदी-नाले उफान पर, गांवों में घुसा पानी

भोपाल । मध्य प्रदेश के 20 से ज्यादा जिलों में 24 घंटे के दौरान बारिश हुई। नरसिंहपुर में सबसे ज्यादा 3 इंच पानी गिर गया। श्योपुर में 2.8 इंच, रीवा में 2.2 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई।

इसके अलावा शिवपुरी, सीधी, नर्मदापुरम, बालाघाट, छतरपुर, सागर, गुना, रायसेन, नर्मदापुरम, मंडला, ग्वालियर, दतिया, टीकमगढ़, उमरिया, छिंदवाड़ा, जबलपुर, सतना, शाजापुर समेत कई जिलों में भी बारिश का दौर रहा।

शिवपुरी जिले में शुक्रवार रात तेज बारिश से नदी-नाले उफान पर आ गए। पिछोर इलाके में रात 1 से 3 बजे तक हुई भारी बारिश के बाद महुअर नदी का जल स्तर बढ़ गया। इससे खोड़-पिछोर मार्ग बंद हो गया और गुरुकुदवाया समेत कई गांवों में पानी घुस गया। खेतों में पानी भरने से फसलों को नुकसान पहुंचा है। मौसम केंद्र के मुताबिक, प्रदेश में अब तक औसत 16.8 इंच बारिश हुई है, जबकि 21 इंच पानी गिर जाना था। इस तरह 4.2 इंच यानी, 20 प्रतिशत बारिश कम हुई है। इस सीजन में अब तक हुई बारिश कोटे की आधी भी नहीं है। प्रदेश की सामान्य बारिश 37.3 इंच है।

इन 29 जिलों में कम बारिश : मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के पूर्वी हिस्से जैसे- जबलपुर, शहडोल, रीवा और सागर संभाग में 23 प्रतिशत कम बारिश हुई है। एक भी जिला ऐसा नहीं है, जो आगे हो। अनूपपुर, बालाघाट, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, डिंडौरी, जबलपुर, कटनी, मैहर, मंडला, मऊगंज, नरसिंहपुर, निवाड़ी, पांढुर्णा, पन्ना, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़ और उमरिया में 5त्न से 48त्न तक कम बारिश हुई है।

वहीं, पश्चिमी हिस्से के भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर-चंबल संभाग में 17 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। आगर-मालवा, आलीराजपुर, अशोकनगर, बैतूल, भोपाल, दतिया, धार, गुना, हरदा, इंदौर, झाबुआ, मुरैना, मंदसौर, नर्मदापुरम, नीमच, रायसेन, राजगढ़, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, श्योपुर, शिवपुरी, उज्जैन, बड़वानी और विदिशा में औसत से कम पानी गिरा है।

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कम्पनी के निदेशक (वाणिज्य) कार्यालय को मिला आईएसओ प्रमाणीकरण

भोपाल । मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के मुख्यालय स्थित निदेशक (वाणिज्य) कार्यालय को अंतर्राष्ट्रीय क्वालिटी स्टैण्डर्ड आईएसओ 9001= 2015 का प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। पॉवर जनरेटिंग कंपनी द्वारा कार्यप्रणालियों के सतत् मानकीकरण व दक्षता वृद्धि की दिशा में यह उपलब्धि एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्य सुरक्षा अधिकारी कार्यालय को यह प्रमाणपत्र उच्च स्तर के अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने हेतु प्राप्त हुआ है। अब तक पॉवर जनरेटिंग कंपनी के 15 कार्यालयों को आईएसओ प्रमाणीकरण मिल चुका है। इससे पूर्व पॉवर जनरेटिंग कंपनी के 14 = कार्यालयों मुख्य अभियंता उत्पादन भंडार, मुख्य अभियंता संचालन-संधारण जल विद्युत, मुख्य अभियंता फ्यूल मैनेजमेंट, कार्यपालक निदेशक अभियांत्रिकी व संयुक्त निदेशक(सीओजीएचएस) कार्यालय, प्रबंध संचालक कार्यालय, डायरेक्टर टेक्नीकल कार्यालय, मुख्य अभियंता कार्पोरेट सर्विस, कार्यपालक निदेशक मटेरियल मैनेजमेंट, मुख्य अभियंता परियोजना उत्पादन, मुख्य अभियंता सिविल इंजीनियरिंग, मुख्य वित्तीय अधिकारी कार्यालय, मुख्य अभियंता नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण व मुख्य सुरक्षा अधिकारी कार्यालय को अंतर्राष्ट्रीय क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम 9001=2015 प्रमाणीकरण प्राप्त हो चुका है। यह सभी कार्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मानदंडों का पालन करते हुए कार्य कर रहे हैं।

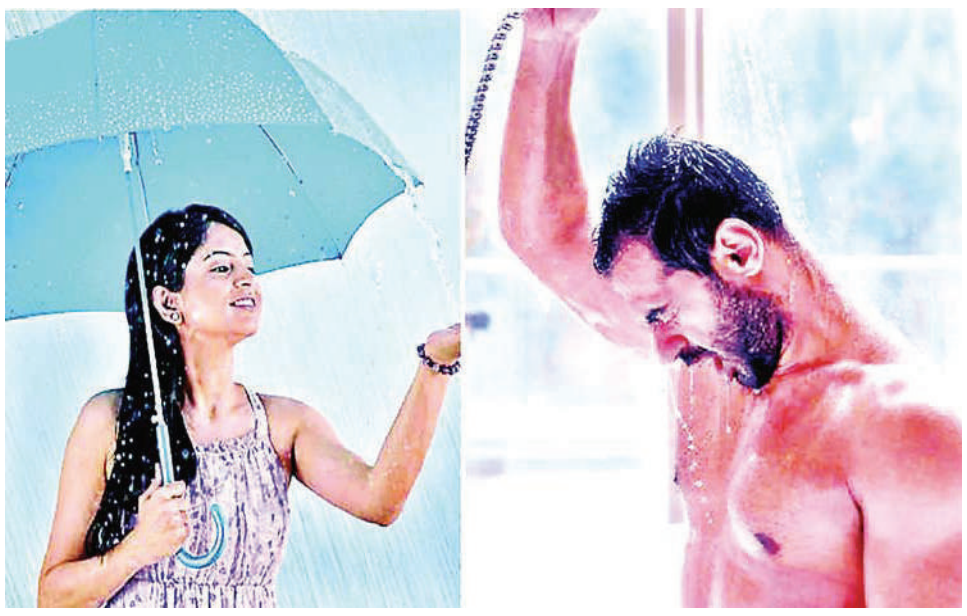

बारिश के मौसम में ना नहाना खतरनाक करना पड़ेगा इन समस्याओं का सामना

बारिश के मौसम में वातावरण काफी ठंडा हो जाता है. कई लोगों को इतनी ठंड लगती है कि वे शॉल या स्वेटर तक पहन लेते हैं. कुछ लोग बारिश के मौसम में नहाने से भी बचते हैं. अगर कोई बारिश के मौसम में नहाने से बचता है तो उसे कई समस्याएं हो सकती हैं. बारिश का मौसम हर किसी को पसंद होता है. बारिश के मौसम में बारिश गर्मा-गर्म पकौड़ी खाना, चाय पीने का मजा ही कुछ और होता है. जब सर्दी और बारिश का मौसम आता है तो लोग पानी का सेवन कम करने लगते हैं. साथ ही बारिश का मौसम ठंडा होने के कारण कई बार नहाने से बचते हैं. ठंडे पानी से तो दूर, कई लोग गर्म पानी से भी नहाने से बचते हैं. लेकिन अगर कोई बारिश के मौसम में नहाने से बचता है तो इससे शरीर को काफी नुकसान हो सकते हैं इसलिए एक्सपर्ट हर मौसम में रोजाना नहाने की सलाह देते हैं. अगर आप भी कभी-कभार मौसम को देखते हुए ना नहाने के बहाने लगाते हैं तो बारिश के मौसम में ना नहाने के साइड इफेक्ट भी जान लीजिए।

संक्रमण

हमारे शरीर पर काफी सारे कीटाणु और कोशिकाएं होती हैं. अगर कोई नहीं नहाता तो उसके शरीर पर मृत कोशिकाएं उत्पन्न हो जाती हैं जिससे शरीर को काफी नुकसान हो सकता है. एक्सपर्ट का मानना है कि बारिश के मौसम में नहीं नहाने से मृत कोशिकाएं कमर के क्षेत्र में अधिक विकसित होती हैं जिससे संक्रमण और जीवाणु संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है. यह आगे चलकर शरीर के अन्य हिस्सों में फैल सकता है.

दुर्गंध

बारिश के मौसम में मॉइश्चर अधिक होने से हर जगह नमी बनी रहती है अब चाहे वह आपका घर हो या आपके कपड़े. आपने देखा होगा बारिश में सूखे कपड़े भी हल्के गीले दिखते हैं इसका कारण है कि उनमें मॉइश्चर काफी अधिक होता है. अब ऐसे में अगर आप नहीं नहाएंगे तो शरीर में दुर्गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया पैदा हो जाएंगे. इसके बाद शरीर से काफी बदबू आने लगेगी, जिससे अन्य संक्रमण भी हो सकते हैं.

त्वचा में संक्रमण

नहाने से स्किन काफी अच्छी रहती है. नहीं नहाने से त्वचा में सूजन और अन्य गंभीर स्थितियां भी पैदा हो सकती हैं. इसलिए हमेशा नहाना चाहिए. रोग प्रतिरोधक क्षमता कम करता है

इम्यूनिटी कमजोर

जब कोई नहाता नहीं है तो शरीर में मौजूद वायरस और बैक्टीरिया को संख्या बढ़ाने में अधिक समय मिल जाता है जिससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और अन्य संक्रमणों का खतरा भी बढ़ जाता है.

निश्चित एरिया का रंग गहरा होना

अगर कोई नहाता नहीं है तो कुछ समय के लिए शरीर के निश्चित एरिया की स्किन का कलर डार्क हो सकता है. हालांकि यह डार्क स्किन नहाने से खत्म हो जाती है लेकिन अगर यह निशान अधिक डार्क हो गए तो अधिक गहरे हो सकते हैं.

चिपचिपाहट होना

बारिश के मौसम में मॉइश्चर अधिक होने से शरीर में चिपचिपाहट होती है. वहीं अगर आप नहीं नहाएंगे तो चिपचिपाहट और अधिक बढ़ जाएगी और आप कंफर्टेबल महसूस नहीं करेंगे.

बारिश में नहाने से हार्मोनल संतुलन रहता है

अगर आपके शरीर में हार्मोन्स का संतुलन बिगड़ गया है तो उसे संतुलित करने के लिए आपको बारिश के पानी में नहाना चाहिए। कहा जाता है कि बारिश में भीगने से शरीर में हार्मोन्स का उत्पादन सही तरीके से होता है। इसके अलावा कान की समस्याओं से राहत पाने के लिए बारिश में भीगना फायदेमंद माना जाता है।

बारिश के पानी से बालों को धोना अच्छा होता है इससे आपके बाल इतने मुलायम और आकर्षण दिखेंगे, कि आप खुद विश्वास नहीं कर पाएंगे। इसके अलावा बारिश के पानी से नहाना, त्वचा की बेहतर तरीके से सफाई करता है वह भी नैचुरली। आप अपनी त्वचा को साफ-सुथरा और स्वस्थ बना सकते हैं।

भीषण गर्मी के चलते अक्सर कई लोगों को घमौरियां हो जाती हैं। खासकर बच्चों को ये समस्या बहुत जल्दी हो जाती है। गर्मी के चलते त्वचा पर घमौरियों के रूप में निकलने वाले छोटे-छोटे दाने कांटे की तरह चूभते हैं, लेकिन जैसे ही आप बारिश में भीगते हैं घमौरियां कम होने लगती हैं। दरअसल, बारिश में भीगने की वजह से त्वचा का तापमान संतुलित होता है, जिसके चलते घमौरियों से निजात मिलती है।

रिलेशनशिप में आते ही कपल की लाइफ में आ सकते हैं ये बदलाव, पहले से रहें तैयार

लोग जब रिलेशनशिप में आते हैं और एक दूसरे को डेट करना शुरू करते हैं, तो उनके जीवन में भी बदलाव आना शुरू होता है। डेटिंग हो या फिर शादी रिश्ते में जुड़ने के बाद कपल के जीवन में बहुत कुछ बदल जाता है। अभी तक सिंगल लाइफ को एन्जॉय कर रहे पार्टनर को अपने अपने साथी के बारे में भी सोचना होता है। एक दूसरे को अपना वक्त देना होता है। खुद की पसंद के साथ ही पार्टनर की पसंद नापसंद का भी ख्याल रखना होता है। हालांकि अगर कपल इन बदलावों को अपना नहीं पाता तो उसका रिश्ता विवादों और तनाव में आ जाता है। ऐसे में दोनों को अलग होना पड़ सकता है। इसलिए कपल में रिलेशनशिप में आने के बाद जीवन में होने वाले बदलावों के लिए तैयार रहना चाहिए। चलिए जानते हैं रिलेशनशिप में आते ही कपल की लाइफ में क्या बदलाव आ सकते हैं।

बदल सकता है रूटीन

शादीशुदा हों या डेटिंग कर रहे हों, कपल की रूटीन बदल जाती है। लोग अपने पार्टनर के समय के साथ तालमेल बिठाने लगते हैं। जैसे अगर शादी हो गई है, तो पति-पत्नी के सुबह सोकर उठने का समय, साथ नाश्ता करने या शाम में एक साथ बैठकर चाय पीने और बाते करने का समय एक हो जाता है। ऐसे ही डेटिंग कर रहे कपल भी पार्टनर के वक्त के मुताबिक खुद कसिंगल लाइफ में लड़के या लड़की पर कोई जिम्मेदारी नहीं होती, लेकिन कपल बनने के बाद उनके लिए पार्टनर जिम्मेदारी बन जाता है। पार्टनर की इच्छाओं, जरूरतों का ख्याल रखना पार्टनर की जिम्मेदारी बन जाती हैं।

पसंद नापसंद

अक्सर जो चीजें हमें सिंगल होने पर पसंद नहीं होती, वह शादी के बाद पार्टनर के लिए पसंद आने लगती हैं। जैसे जिन लड़कों को एक्शन फिल्में पसंद होती हैं, वह पार्टनर के साथ सिनेमा हॉल जाने पर गर्लफ्रेंड की पसंद की रोमांटिक मूवी देखने के लिए एक्शन फिल्म छोड़ देते हैं।

प्राथमिकता बदलना

शादी के बाद या रिलेशनशिप में आने के बाद कपल की प्राथमिकताएं भी बदलने लगती हैं। पहले दोस्त और ऑफिस उनकी प्राथमिकता हो सकते हैं, लेकिन रिश्ते में जुड़ने के बाद पार्टनर उनकी प्राथमिकता बन जाता है।

मकड़ी के काटने पर न होएं पैनिक, काम आएंगी ये होम रेमेडीज

घर में मच्छरों का आना और इनका काटना बहुत कॉमन बात है, लेकिन अगर मकड़ी काट जाए, तो इस सिचुएशन में हम ज्यादा पैनिक हो जाते हैं. मकड़ी की कई प्रजातियां होती हैं, लेकिन अमूमन हर किसी के काटने के बाद स्किन पर रैशेज, इचिंग या सूजन हो जाती है. मकड़ियां वैसे घरों में बहुत कम देखने को मिलती हैं, लेकिन कभी-कभी लोगों को ऐसी मकड़ी को फेस करना पड़ जाता है, जो बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है. ऐसी मकड़ियों के काटने पर इंसान पैनिक हो जाता है और वह इलाज की जगह दूसरी गलतियों को करने लगता है.

इसके काटने पर आपको डॉक्टरी इलाज करवाना चाहिए, लेकिन कुछ नेचुरल होम रेमेडीज से भी आप खुद को ठीक कर सकते हैं. ये रेमेडीज कारगर होती हैं और इनके साइड इफेक्ट्स भी नहीं होते. हम आपको इनके बारे में बताने जा रहे हैं. अगर आप ऐसी सिचुएशन को फेस करते हैं, तो तुरंत इन्हें अपनाएं.

कोल्ड कंप्रेस को अप्लाई करें

भारत में एक मिथ फैली हुई है कि कीड़े-मकोड़े के काटने पर तुरंत जंग लगे हुए लोहे को रगड़ना चाहिए. ये कारगर साबित हो इसकी गारंटी नहीं है, लेकिन इससे नुकसान भी झेलना पड़ सकता है. आप इस दौरान बर्फ या किसी अन्य ठंडी चीज की सिकाई कर सकते हैं. कॉटन के कपड़े में बर्फ का टुकड़ा लें और इसे प्रभावित स्किन पर लगाएं. इससे सूजन और दर्द कम हो जाएगा.

नमक लगाएं

इसके एंटी इंफ्लामेटरी गुण भी ऐसे घाव को हील करने में मदद करते हैं. पहले थोड़ा सा नमक लें और उसे मकड़ी के काटे हुए हिस्से पर लगाएं और सिर्फ किसी साफ कपड़े को इस पर बांध लें. इससे भी स्किन पर आई सूजन और दर्द कम हो सकता है.

एक्टिवेटेड चारकोल लगाएं

क्या आप जानते हैं कि एक्टीवेटेड चारकोल का सेवन भी आपको इस प्रॉब्लम से राहत दिला सकता है. इसके लिए रोजाना एक या दो एक्टिवेटेड चारकोल की टेबलेट को सुबह खाली पेट पानी से लें. ध्यान रहे कि इसके बाद दो घंटे तक आपको किसी भी तरह की दवा को नहीं लेना है.

हल्दी से भी होगा इलाज

भारत में हल्दी को पुराने समय से एक औषधी के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है. इसके औषधीय गुण घाव को जल्दी भरने में मदद करते हैं. थोड़ी सी हल्दी में ऑलिव ऑयल को मिलाकर पेस्ट बना लें. अब इस पेस्ट को मकड़ी के काटे हुए हिस्से पर लगाएं. इसे साफ करने के लिए हल्का सा गर्म पानी लें. ऐसा रोज दिन में दो बार जरूर करें।

अपनी हाई हील्स को सालों-साल नया रखना चाहती है तो आजमाएं ये अमेजिंग टिप्स

इस बात में कोई दो राय नहीं कि हाई हील्स आपके बॉडी पोस्चर को परफेक्शन देने के साथ ही आपके कॉन्फिडेंस लेवल को भी अप कर देती है। फिर चाहे आप प्रोफेशनल वुमन हो यह पार्टी लवर हाई हील्स आपको %टॉप ऑफ द वर्ल्ड% वाली फिलिंग देती है। ऐसे में जरूरी है कि आप भी अपनी हाई हील्स का ख्याल रखें ताकि यह आपकी पर्सनलिटी को बरकरार रखने में लंबे समय तक आपका साथ दे पाए। हां हम आपको बताएंगे कुछ टिप्स जो आपकी मदद करेंगे अपनी प्रीटी हाई हील फुटवेयर को सालों साल नया रखने में-

1. रखे साफ सफाई का ख्याल-

अगर आपके पास है लेदर हाई हील्स तो ऐसे में इन्हें पहनने से पहले सॉफ्ट कपड़े से पॉलिश करें जिससे यह चमकदार लगे और अगर आपकी बात स्वेड् हाई हील्स है तो आपको थोड़ा ज्यादा ध्यान रखने की जरूरत है। इसकी सफाई के लिए आप स्वेड् इरेज़र का इस्तेमाल करे ताकि इस पर जमी मिट्टी और धब्बे आसानी से हट जाए7 बार-बार पानी और गंदगी लगने से आपकी हील्स डैमेज हो सकती है इसलिए स्टोरेज से पहले इन्हें अच्छे से साफ करके रखें।

2. सही समय पर कराएं रिपेयरिंग-

हमारे शूज दिन भर हमारा साथ निभाते है7 ऐसे में इनका डैमेज होना लाज़मी है जिसे हम चाह कर भी अवॉइड नहीं कर सकते। हालांकि हील्स स्टॉपर्स हिल्स की टिप्स को डैमेज होने से बचाते हैं लेकिन कुछ स्कफ्स एंड निक्स को अवॉइड करना मुश्किल होता है। ऐसे में जरूरी है कि इन्हें दोबारा पहनने से पहले मोची से मरम्मत करा ले या फिर आप खुद हाई हील्ड शू रिपेयर मटेरियल खरीद ले।

3. हिल्स को दे अ डे ऑफ-

हर रोज हिल्स पहनना आपकी बॉडी पोस्चर और आपकी हील्स ही दोनों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। यह आपके पैरों को दर्द तो देगा ही आपकी प्राइज़लेस हिल्स को भी नुकसान पहुंचाएगा7 इसलिए ध्यान रखें की हील्स पहने के बाद जोर-जोर से या जल्दबाजी में चलने की जगह लाइट वॉक करें। अगर आपकी चलने का तरीका सही नहीं होगा तो आपकी हील्स जल्द ही टूट जाएगी7 ऐसे में आप हफ्ते में कम से कम एक दिन के लिए अपनी हील्स को रेस्ट दे और उनकी जगह अपने दिन की शुरुआत किसी दूसरे फुटवेयर करें।

4. रखे हाइजीन का ध्यान-

अगर आप अपनी हील्स की लाइफ बढ़ाना चाहती है तो उन्हें फुली हाइजीनिक रखें। इन पर लगी डस्ट को साफ करने के साथ ही साथ हील्स की सफाई के लिए इनके मटेरियल के अकॉर्डिंग स्प्रे का यूज़ करें। ध्यान रखें कि अपनी हील्स पर से धब्बे हटाने के लिए आप जो भी मेथड यूज कर रही है वह इसके कलर को ना बिगाड़े।

5. करें प्रॉपर्ली स्टोर-

दिन के अंत में अपनी हील्स को ध्यान से रिमूव करें उन्हें अच्छे से क्लीन करें और चेक करें कि कहीं दिनभर की भागदौड़ में यह डैमेज तो नहीं हो गई है अगर कोई डैमेज या स्क्रैच हो तो उन्हें रिपेयर कराएं अपनी हील्स में चारकोल पाउच रखें जिससे इन्हें ह्यूमिडिटी से होने वाली स्मेल से बचाया जा सके। साथ ही अपनी हील्स के लिए एक अच्छे शू क्लोजेट का चुनाव करें जो उन्हें मोइस्ट फ्री रखें।

कार्डियक अरेस्ट और हार्ट अटैक में अंतर ?

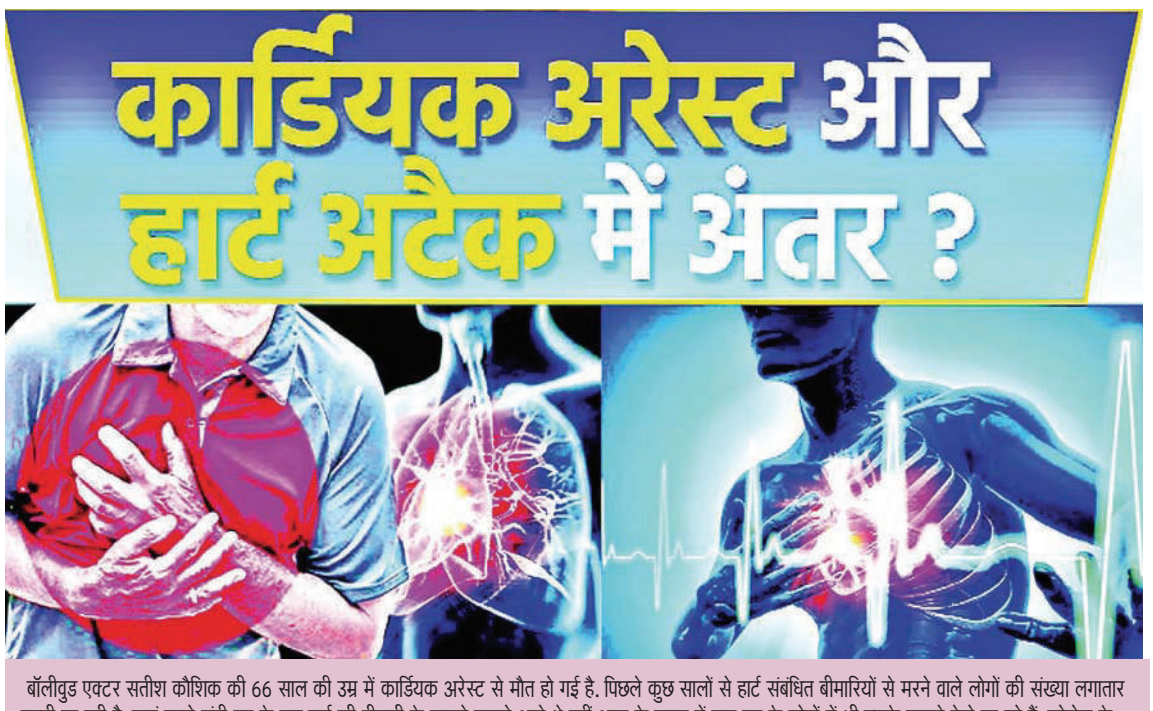

बॉलीवुड एक्टर सतीश कौशिक की 66 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई है. पिछले कुछ सालों से हार्ट संबंधित बीमारियों से मरने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. जहां पहले लंबी उम्र के बाद हार्ट की बीमारी के मामले सामने आते थे वहीं आज के समय में कम उम्र के लोगों में भी इसके मामले देखे जा रहे हैं. कोरोना के बाद से कार्डियक अरेस्ट के मामलों में भी काफी तेजी देखी जा रही है और युवा भी इसके शिकार हो रहे हैं. डरावनी बात है कि कार्डियक अरेस्ट में दिल की धड़कन काम करना बंद कर देती है और अगर तुरंत इलाज न मिले तो मौत हो जाती है. कई लोग हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट के बीच कन्फ्यूज रहते हैं लेकिन दोनों में काफी अंतर है।

कार्डियक अरेस्ट क्या है?

जब इंसान के दिल की धड़कन रुक जाती है और यह शरीर के बाकी हिस्सों तक खून की आपूर्ति नहीं कर पाता है, उस स्थिति को कार्डियक अरेस्ट कहा जाता है.

कार्डियक अरेस्ट आने पर क्या होता है?

जब किसी इंसान को कार्डियक अरेस्ट आता है तो वह मिनटों में ही बेसुध या बेहोश हो जाता है. चिंता की बात है कि अगर इसमें तुरंत इलाज न मिले तो व्यक्ति की मौत तक हो जाती है.

कार्डियक अरेस्ट आने की क्या है वजह?

कार्डियक अरेस्ट को लेकर एक सबसे ज्यादा डराने वाली बात है कि यह किसी को कभी भी हो सकता है. कई बार हार्ट अटैक भी इसका एक कारण हो सकता है. इसके अलावा अगर किसी इंसान की दिल की मांसपेशियां कमजोर हैं तो इस वजह से भी कार्डियक अरेस्ट का शिकार हो सकता है.

क्या है हार्ट अटैक?

हार्ट अटैक कार्डियक अरेस्ट से काफी अलग है और कार्डियक अरेस्ट से कम खतरनाक है. जब इंसान के दिल तक खून पहुंचाने वाली धमनियों में कोई बाधा आती है या धमनियां 100 फीसदी ब्लॉक हो जाती हैं, उस स्थिति में इंसान को हार्ट अटैक आता है.

हार्ट अटैक में क्या होता है?

हार्ट अटैक के आने से ठीक पहले कई तरह के लक्षण इंसान को नजर आते हैं. इनमें सीने में दर्द होना या सीने में भारीपन महसूस होना इसका सबसे आम लक्षण है. इसके अलावा सांस फूलना, पसीना आना या उल्टी होना भी इसके आम लक्षण हैं. यह लक्षण तुरंत या कुछ घंटों बाद भी सामने आते हैं.

हार्ट अटैक की क्या है वजह?

हार्ट अटैक आने की वजह आपकी खराब लाइफस्टाइल हो सकती है. अगर आपकी जीवनशैली ठीक नहीं है तो आप खुद को हार्ट की ऐसी गंभीर स्थिति के पास ले जाते हैं. आजकल लोगों का गलत खानपान या नींद ठीक से ना लेना या एक्सरसाइज न करना हार्ट अटैक की सामान्य वजह हो सकती है.

कार्डियक अरेस्ट और हार्ट अटैक से बचाव के तरीके

कार्डियक अरेस्ट से बचने के कुछ तरीके अपनाए जा सकते हैं. एक्सपर्ट्स का कहना है कि हार्ट की उचित देखभाल करके हार्ट संबंधित बीमारियों से बचा जा सकता है. इसके लिए अपनी लाइफस्टाइल को हेल्दी रखें, सही आहार का सेवन करें, रोजाना एक्सरसाइज करें, अपने वजन को कंट्रोल रखें, तनाव से बचें, स्मोकिंग-अल्कोहल का सेवन ना करें, समय-समय पर डॉक्टर से संपर्क करते रहें.

अगर किसी को कोरोनरी आर्टरी डिजीज या अन्य हार्ट संबधित कोई बीमारी है तो समय-समय पर चैकअप कराएं. अगर किसी को कार्डियक अरेस्ट आ चुका है तो इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफाइब्रिलेटर घर पर रखें जिससे दूसरे कार्डियक अरेस्ट के जोखिम को कम किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

महिला एशिया कप 28 अगस्त से यूएई में

- फाइनल 13 सितंबर को
- 5 सितंबर को भारत और पाकिस्तान होंगे आमने-सामने

नईदिल्ली (एजेंसी)। महिला एशिया कप 2026 का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया गया है. टी20 फॉर्मेट में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट की शुरुआत 28 अगस्त को यूएई में होगी। फाइनल मैच 13 सितंबर को खेला जाएगा। टी-20 फॉर्मेट में अब तक खेले गए पांच टूर्नामेंट्स में से भारत ने तीन बार खिताब जीता है। यह छठा मौका होगा जब यह टूर्नामेंट खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट में खेला जाएगा. भारत और पाकिस्तान के बीच की पुरानी प्रतिद्वंद्विता फिर से देखने को मिलेगी. ये दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी टीमें 5 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में एक-दूसरे से भिड़ेंगी।

टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें भाग ले रही हैं. जिसमें भारत को पाकिस्तान, थाईलैंड और हांगकांग के साथ ग्रुप ए में रखा गया है. जबकि ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई और इंडोनेशिया को रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ मैच से करेगा. सभी मैच दुबई में स्थानीय समयानुसार शाम 6:30 बजे शुरू होंगे।

भारत का शुरुआती शेड्यूल

30 अगस्त: भारत बनाम थाईलैंड
3 सितंबर: भारत बनाम हांगकांग
5 सितंबर: भारत बनाम पाकिस्तान

सबसे सफल टीम

महिला एशिया कप में भारत सबसे सफल टीम है. उसने कुल 7 बार यह खिताब अपने नाम किया है. हालांकि 2024 के संस्करण में श्रीलंका ने भारत को हराकर पहली बार यह खिताब अपने नाम किया था और वो वर्तमान चैंपियन है।

भारत बनाम पाकिस्तान

भारत की नजरें अपना आठवां महिला एशिया कप खिताब जीतने पर होंगी. वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान अब तक यह ट्रॉफी नहीं जीत पाया है. 2012 तथा 2016 के टूर्नामेंट्स के फाइनल में उसे भारत से हार का सामना करना पड़ा है. दोनों टीमों के बीच हालिया मुकाबले में, भारत ने महिला टू20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज मैच में पाकिस्तान को 64 रनों से बुरी तरह हराया था।

महिला एशिया कप 2026 का पूरा शेड्यूल

28 अगस्त: थाईलैंड बनाम हांगकांग
29 अगस्त: श्रीलंका बनाम यूएई
30 अगस्त: भारत बनाम थाईलैंड
31 अगस्त: बांग्लादेश बनाम इंडोनेशिया
1 सितंबर: पाकिस्तान बनाम थाईलैंड
2 सितंबर: श्रीलंका बनाम इंडोनेशिया
3 सितंबर: भारत बनाम हांगकांग
4 सितंबर: यूएई बनाम इंडोनेशिया
5 सितंबर: भारत बनाम पाकिस्तान
6 सितंबर: श्रीलंका बनाम बांग्लादेश
7 सितंबर: पाकिस्तान बनाम हांगकांग
8 सितंबर: बांग्लादेश बनाम यूएई
10 सितंबर: सेमीफाइनल
11 सितंबर: सेमीफाइनल
13 सितंबर: फाइनल

लियोनेल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का निधन

13 साल की उम्र में मेसी को बार्सिलोना ले गए, दो दशक तक उनके एजेंट रहे

अर्जेंटीना (एजेंसी)। अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का 68 साल की उम्र में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। पिछले कुछ महीनों से उनका इलाज चल रहा था।मेसी के बचपन के क्लब न्यूवेल्स ओल्ड बॉयज ने शनिवार को उनके निधन की पुष्टि की। क्लब ने शोक जताते हुए उन्हें मेसी के करियर की सबसे मजबूत ताकत बताया।

कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्ट प्लेयर्स पीएम आवास पहुँचे

भारत ने 39 मेडल जीते थे

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी मिलने पहुँचे। प्लेयर्स प्रधानमंत्री आवास पहुंचकर पीएम मोदी से मिले। इस अवसर मुक्केबाज लवलीना बोरगेहन और वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने कहा- हम प्रधानमंत्री से मिलने के लिए एक्साइटेड थे। भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज समेत कुल 39 मेडल जीते। भारत मेडल टैली में चौथे नंबर पर रहा।

मुक्केबाज भारत का सबसे बड़ा मेडल बैंक

भारत के 39 पदकों में सबसे बड़ा योगदान बॉक्सिंग का रहा। मुक्केबाजों ने 7 गोल्ड और 3 सिल्वर समेत कुल 10 मेडल जीते।

यानी हर चार में से एक मेडल बॉक्सिंग से आया। एथलेटिक्स में 10 मेडल आए, लेकिन इसमें गोल्ड नहीं मिला। वेटलिफ्टिंग से 8, पैरा एथलेटिक्स से 6, जूडो से 4 और पैरा पावरलिफ्टिंग से 1 मेडल मिला। कुल मिलाकर 39 में से 37 पदक सिर्फ पांच खेलों से आए।

जम्मू कश्मीर के दिव्यांग क्रिकेटर के बुलंद हौसले की दमदार कहानी

दोनों हाथ गंवाने के बाद भी नहीं टूटा आमिर का क्रिकेट खेलने का सपना, सचिन तेंदुलकर भी हुए मुरीद

जयपुर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के दिव्यांग क्रिकेटर आमिर हुसैन लोन ने अपने संघर्ष और जज्बे से यह साबित कर दिया है कि परिस्थितियां

कितनी भी मुश्किल क्यों न हों, मजबूत हौसले और लगातार मेहनत के दम पर सपनों को हासिल किया जा सकता है. जयपुर में एक कार्यक्रम के दौरान आमिर हुसैन लोन ने ईटीवी भारत से खास बातचीत में अपने क्रिकेट के सफर, संघर्ष, चुनौतियों और कामयाबी से जुड़े अनुभव साझा किए।

आमिर हुसैन लोन जब महज 8 साल के थे, तभी एक हादसे में उनके दोनों हाथ चले गए. इस हादसे के बाद उनके परिवार और करीबी रिश्तेदारों को उनके भविष्य की चिंता सताने लगी थी. कई लोगों ने उनके सामने आने वाली मुश्किलों को लेकर सवाल खड़े किए, लेकिन ऐसे कठिन दौर में उनकी दादी ने उन्हें हिम्मत दी. दादी के प्रोत्साहन ने आमिर के भीतर ऐसा हौसला पैदा किया, जिसने आगे चलकर उन्हें एक अलग पहचान दिलाई।

हादसे के बाद भी क्रिकेटर बनने का सपना नहीं छोड़ाः आमिर हुसैन लोन ने बताया कि बचपन से ही उनका सपना क्रिकेटर बनने का था. हादसे के बाद उनके इस सपने पर भी सवाल उठने लगे थे, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी. उनका सपना सिर्फ क्रिकेट खेलने तक सीमित नहीं था, बल्कि वह एक दिन भारत के लिए खेलना चाहते थे. दोनों हाथ नहीं होने के बावजूद आमिर ने क्रिकेट खेलने का अपना अलग तरीका विकसित किया. उन्होंने गर्दन और कंधे के बीच बल्ला पकड़कर बल्लेबाजी करने का अभ्यास शुरू किया. शुरुआत में यह बेहद मुश्किल था, लेकिन लगातार अभ्यास और मेहनत के बाद उन्होंने इस तकनीक पर नियंत्रण हासिल कर लिया ।

टीम इंडिया की बढ़ी टेंशन!

9 खिलाड़ी चोटिल

हैदराबाद (एजेंसी)। टीम इंडिया का अगला असाइनमेंट श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलना है, लेकिन चोट के कारण कई खिलाड़ी इस सीरीज में नजर नहीं आएंगे। हाल ही में बाएं हाथ के बल्लेबाज साई सुदर्शन के बारे में ये खबर सामने आई है कि वो भी चोट के चलते इस सीरीज से बाहर हो गए है।

इसके साथ सुदर्शन, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर के साथ उन खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं जो चोटों के कारण श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

सुदर्शन को पैर के अंगूठे में चोट लगी है. ये चोट उनको पिछले महीने श्रीलंका दौरे पर आई इंडिया 'ए' टीम के दौरान लगी. उन्होंने दोनों 'ए' टेस्ट मैचों में दो शतक बनाए थे. तब से वह बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पिछले महीने कार्डिफ में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान लगी बाएं घुटने की चोट से अभी तक उबर नहीं सके हैं. जिसकी वजह से उनकी जगह जम्मू-कश्मीर के 29 वर्षीय तेज गेंदबाज आकिब नबी को श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है।

नीतीश कुमार रेड्डी बाएं क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं, जिसके चलते वे भारत के हालिया आयरलैंड, इंग्लैंड और जिम्बाब्वे दौरे पर नहीं खेल पाए. उन्हें यह चोट जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में गेंदबाजी करते समय लगी थी।

वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे हैं, जबकि आकाश दीप पीठ में खिंचाव की वजह से टीम से बाहर हैं. कप्तान शुभमन गिल को भी उंगली में चोट लगी है, लेकिन उन्हें सीरीज से बाहर नहीं किया गया. इसी वजह से वो श्रीलंका के खिलाफ अभ्यास मैच भी नहीं खेल रहे हैं. उम्मीद है कि वो 15 अगस्त से शुरू होने वाले सीरीज के पहले टेस्ट मैच से पहले फिट हो जाएंगे. इसके अलावा हर्षित राणा, हार्दिक पांड्या और वरुण चक्रवर्ती भी चोट के कारण टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं।

भारतीय टेस्ट टीम

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, आकिब नबी।

चोटिल खिलाड़ी

हर्षित राणा - हैमस्ट्रिंग
हार्दिक पांड्या - जांघ में खिंचाव
जसप्रीत बुमराह - घुटने में सूजन
नीतीश रेड्डी - हैमस्ट्रिंग
वॉशिंगटन सुंदर - जांघ में खिंचाव
आकाश दीप - पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर
साई सुदर्शन - पैर के अंगुठे में चोट
शुभमन गिल - दाहिने हाथ की उंगली में चोट
वरुण चक्रवर्ती - जांघ में खिंचाव

टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

पहला टेस्ट: 15-19 अगस्त, गाले
दूसरा टेस्ट: 23-27 अगस्त, कोलंबो

अश्मिता चालिहा ने जीता कोरिया मास्टर्स का खिताब

फाइनल में चीन की खिलाड़ी को हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की अश्मिता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। उन्होंने महिला एकल फाइनल में चीन की चौथी वरीयता प्राप्त हान कियान शी को मात दी।

पहला गेम हारने के बाद, विश्व रैंकिंग में 50वें स्थान पर काबिज अश्मिता ने शानदार वापसी की और विश्व में 35वें नंबर की खिलाड़ी हान को 53 मिनट तक चले गेम में 14-21, 21-14, 21-14 से हराया.

असम की रहने वाली 26 वर्षीय इस खिलाड़ी का ये पहला बीडब्लूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है. उनका फाइनल तक का सफर शानदार रहा. उन्होंने पहले क्वालिफायर रिरीना हिरामोतो और फिर किम मिन जी को सीधे गेम में हराया, और क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त हिना अकेची को 20-22, 21-15, 21-19 से मात दी।

इस साल अश्मिता ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर शानदार वापसी करते हुए चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल और फिर मकाऊ ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

इस जीत के साथ अश्मिता इस साल सुपर 300 खिताब जीतने वाली देविका सिहाग और तन्वी शर्मा के बाद तीसरी भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं. कुल मिलाकर, कोरिया मास्टर्स फाइनल में जीत के साथ वह इस साल सिंगल्स बीड्ब्लूएफ खिताब जीतने वाली चौथी भारतीय महिला बन गई हैं. उनसे पहले तन्वी ने ताइपे ओपन, पीवी सिंधु ने जापान ओपन और देविका सिहाग ने थाईलैंड मास्टर्स में खिताब जीता था।

खिलाड़ी मशीन नहीं, फिट होने में समय लगता है

लक्ष्मण बोले- इंजरी प्लेयर्स के करियर का हिस्सा, किसी को दोषी नहीं ठहरा सकते

नईदिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने खिलाड़ियों के धीरे फिट होने में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को दोषी मानने से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि 'क्रिकेटर मशीन नहीं है। ऐसा नहीं है कि हर

बार वे जल्दी चोट से उबर जाएंगे।' लक्ष्मण बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख हैं। उन्होंने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि सीओई और पुरुष-महिला दोनों टीमों के मैनेजमेंट के बीच शानदार तालमेल है। लक्ष्मण का बयान ऐसे टाइम पर आया है, जब देशभर में खिलाड़ियों के चोटिल होने पर सवाल उठ रहे हैं।

लक्ष्मण ने कहा- सीओई सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं - लक्ष्मण ने कहा- 'सीओई सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं है। क्रिकेटरों को बेहतर बनाने में इसकी बड़ी भूमिका है। इसलिए चोट के लिए दोष शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, क्योंकि इससे किसी को बलि का बकरा बनाया जाता है।

गिल वॉर्मअप मैच के तीसरे दिन बैटिंग करने उतरे, स्कोर-52/0

- श्रीलंका-इलेवन की दूसरी पारी 200/6 पर घोषित,

भारत को 207 रन का टारगेट

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के कप्तान शुभमन गिल उंगली की चोट के तीन दिन के बाद पहली बार बल्लेबाजी करने उतरे। कोलंबो में खेले जा रहे भारत और श्रीलंका क्रिकेट इलेवन वॉर्मअप मैच का आज तीसरा दिन है। टी-ब्रेक के बाद खबर लिखे जाने तक इंडिया ने दूसरी पारी में 52 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल नाबाद हैं।भारत ने दिन के खेल की शुरुआत में ही अपनी पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की। इसके जवाब में श्रीलंका क्रिकेट इलेवन ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की और भारत के सामने 207 रन का टारगेट रखा। इससे पहले श्रीलंका-इलेवन ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था।

नेट्स में बल्लेबाजी करते दिखे गिल - वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। इसके बाद वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा था, गुरुवार को भारत के प्रैक्टिस सेशन के दौरान कप्तान शुभमन गिल की दाहिनी हाथ की उंगली में चोट लगी।

अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बसंत का कमाल

- हाई जंप मुकाबले में सिल्वर मेडल जीतने वाले बने पहले भारतीय

यूजीन (एजेंसी)। अमेरिका के यूजीन शहर में खेले जा रहे अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के बसंत कुमार मेघवाल ने इतिहास रच दिया है. उन्होंने पुरुषों की हाई जंप मुकाबले में सिल्वर मेडल जीतकर चैंपियनशिप में भारत को दूसरा मेडल दिलाया. इससे पहले आशीष यादव ने जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल जीता था।

बसंत कुमार मेघवाल ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार करके सिल्वर मेडल अपने नाम किया. इसके साथ ही बसंत वर्ल्ड एथलेटिक्स 20 चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप मुकाबले में सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए।

टॉप थ्री खिलाड़ियों के अंक बराबर - खास बात ये है कि मुकाबले में टॉप के तीनों खिलाड़ियों ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पार की. इसलिए मेडल जीतने वाले इन तीनों खिलाड़ियों के बीच फैसला उनके प्रयासों के रिकॉर्ड के आधार पर किया गया. अल्जीरिया के यूनिस अयाची को गोल्ड मेडल दिया गया क्योंकि उन्होंने ने 2.21 मीटर की ऊंचाई पहले ही प्रयास में कर लिया, जबकि बसंत को दो प्रयास लगे. वहीं ओटिस पूल ने तीन प्रयास में 2.21 की ऊंचाई पार की। मेडल तक पहुंचने के सफर में बसंत ने पहले प्रयास में 2.06 मीटर, दूसरे प्रयास में 2.12 मीटर और पहले प्रयास में 2.17 मीटर की ऊंचाई पार की, जबकि 2.21 मीटर की ऊंचाई उन्होंने दूसरे प्रयास में पार की. इसके साथ बसंत ने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की भी बराबरी कर ली. बसंत का यह प्रदर्शन वर्ल्ड एथलेटिक्स 20 चैंपियनशिप में पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में भारत के लिए एक यादगार उपलब्धि है।

लॉन्ग जंप में ब्रॉन्ज मेडल - वहीं, शाहनवाज खान ने पुरुषों की लॉन्ग जंप में 7.84 मीटर की बेस्ट जंप के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता. यह किसी भारतीय पुरुष लॉन्ग जंपर द्वारा जीता गया पहला वर्ल्ड-लेवल मेडल है. शुरुआत में पीछे रहने के बाद, शाहनवाज ने तीसरे राउंड में 7.84 मीटर की जबरदस्त जंप लगाई और फिर पांचवें राउंड में 7.83 मीटर की जंप के साथ दुनिया के बेहतरीन एथलीटों के बीच अपनी जगह और पोडियम पर अपना स्थान बनाए रखा. इटली के इनजोली ने 7.97 मीटर की बेस्ट जंप के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर (7.96 मीटर) को सिल्वर मेडल मिला। इसके साथ ही, भारत ने 2021 की 20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपने अब तक के सबसे अच्छे प्रदर्शन (कुल तीन मेडल) की बराबरी कर ली है।

आशीष यादव ने जैवलिन थ्रो में किया कमाल

इससे पहले आशीष यादव ने चैम्पियनशिप में भालाफेंक मुकाबले में सिल्वर मेडल जीतकर भारत का खाता खोला था. यादव ने तीसरे दौर में 74.09 मीटर का थ्रो फेंककर पदक हासिल किया. इसके साथ 19 वर्ष के यादव दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा के बाद इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए. चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में 86.48 मीटर के वर्ल्ड जूनियर रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था. यह रिकॉर्ड आज भी उनके नाम है। नीरज चोपड़ा ने भी इस युवा खिलाड़ी की उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी. उन्होंने एक्स पर लिखा, 'भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते और जीतते देखना हमेशा शानदार अहसास होता है. एक भाला फेंक खिलाड़ी के तौर पर यह उपलब्धि मेरे लिए कुछ ज्यादा खास है. अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने पर आशीष मुझे तुम पर बेहद गर्व है ।

भोपाल में 24 घंटे में 7 इंच बारिश से हाहाकार

50 से ज्यादा इलाकों में जलभराव, डैमों का बढ़ा जलस्तर; सडकें बंद, पेड़ गिरे

भोपाल। राजधानी भोपाल में मानसून की जोरदार वापसी ने जहां लोगों को गर्मी और उमस से राहत दी, वहीं भारी बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल भी खोल दी। पिछले 24 घंटे में भोपाल में करीब 7 इंच बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश के चलते पुराने शहर समेत राजधानी के 50 से ज्यादा इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। कई सडकों पर पानी भर गया, बैरसिया रोड पर यातायात प्रभावित हुआ और कई स्थानों पर पेड़ गिरने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। भोपाल में देर रात से तेज बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव से हालात बिगड़ गए। शिवनगर में कमर तक पानी भरने से घरों में पानी घुसा, ईंटखेड़ी पुल पर पानी आने से भोपाल-बैरसिया मार्ग बंद करना पड़ा। जेल रोड, एयरपोर्ट रोड और बैरागढ़ समेत कई इलाकों में सडकें तालाब बन गईं। विद्यार्थियों की छुट्टी घोषित की गई, वहीं मंत्री विश्वास सारंग ने जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा कर राहत और सफाई के निर्देश दिए। तेज बारिश के कारण कोलार रोड,

नारियलखेड़ा, शिव नगर, करोंद, बैरसिया रोड, गांधी नगर, होशंगाबाद रोड, अयोध्या बायपास, रायसेन रोड और बैरागढ़ सहित कई इलाकों में पानी भर गया। पुराने शहर के कई इलाकों में बारिश का पानी घरों और कॉलोनियों तक पहुंच गया। राजेंद्र नगर, शिव नगर और निशातपुरा क्षेत्र में जलभराव हुआ। करोंद इलाके में लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। वसुंधरा कॉलोनी में करीब दो फीट तक पानी भर गया, जिससे कई वाहन पानी में डूब गए। बैरागढ़ की सांई बाबा रेसीडेंसी और कैलाश नगर में भी पानी भरने की शिकायतें सामने आईं। मंत्री विश्वास सारंग ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जल निकासी व्यवस्था का जायजा लिया। कलियासोत, केरवा और कोलार डैम में बढ़ा पानी लगातार बारिश का असर भोपाल के जलस्रोतों पर भी दिखाई दिया। बारिश के बाद कलियासोत डैम का जलस्तर करीब 1 फीट बढ़ा। वहीं केरवा डैम में करीब 3 फीट पानी तो कोलार डैम का जलस्तर करीब 1 फीट ऊपर आया है। लंबे समय बाद हुई अच्छी बारिश से शहर के जलाशयों को राहत मिली है। बाणगंगा नदी उफनी, बैरसिया रोड बंद भोपाल-बैरसिया रोड स्थित ईंटखेड़ी के पास से गुजरने वाली बाणगंगा नदी उफान पर आ गई। पुल के ऊपर से पानी बहने के कारण प्रशासन ने एहतियात के तौर पर रास्ता बंद कर दिया। इससे सडक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

साइबर अपराधियों पर मध्यप्रदेश पुलिस की सख्त कार्रवाई, देवास में 54 लाख रुपये से अधिक की ठगी राशि लौटाई

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस ने साइबर अपराधों के खिलाफ अभियान तेज करते हुए प्रदेश के विभिन्न जिलों में कार्रवाई कर ठगी के आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ-साथ पीड़ितों की राशि वापस दिलाने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पिछले सात दिनों में बैतूल, छिंदवाड़ा, इंदौर, खंडवा और कटनी पुलिस ने साइबर ठगी से जुड़े 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि देवास पुलिस ने 54.22 लाख रुपये से अधिक की ठगी गई राशि पीड़ितों के खातों में वापस कराई। बैतूल में ऑनलाइन पार्ट-टाइम जॉब और होटल रेटिंग के नाम पर 2.25 लाख रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया। छिंदवाड़ा पुलिस ने रॉयल एनफील्ड डीलरशिप दिलाने के नाम पर करीब 77.25 लाख रुपये की ठगी करने वाले बिहार के दो आरोपियों को आठ दिन की गोपनीय कार्रवाई के बाद दबोचा। इंदौर में पेटीएम लोन दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार किए गए और एक लाख रुपये की राशि बरामद हुई। खंडवा पुलिस ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 21.63 लाख रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को राजस्थान से गिरफ्तार कर 2.55 लाख रुपये नकद जब्त किए। कटनी पुलिस ने भी साइबर ठगी से जुड़े अंतरराज्यीय गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। देवास पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन मामलों में कुल 54.22 लाख रुपये से अधिक की राशि पीड़ितों को वापस दिलाई। वहीं सीहोर की साइबर हेल्प डेस्क ने फर्जी लिंक के जरिए हुई करीब 40 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी की पूरी राशि वापस कराई। मध्यप्रदेश पुलिस ने नागरिकों से ऑनलाइन पार्ट-टाइम जॉब, शेयर मार्केट, लोन, डीलरशिप और अधिक मुनाफे के झांसे से सतर्क रहने तथा किसी भी साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की है।

भोपाल के गली-मोहल्ले में होगी प्रॉपर्टी की जांच

21 जोन में उतरेंगी टीम, घर में कारोबार मिला तो मौके पर नोटिस

भोपाल। रिहायशी मकानों में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर अब नगर निगम पूरे भोपाल का सर्वे कराने जा रहा है। शहर के किसी एक इलाके या प्रमुख बाजार तक कार्रवाई सीमित नहीं रहेगी, बल्कि 21 जोन में टीमें बनाकर गली-मोहल्लों से लेकर बड़ी कॉलोनियों और मुख्य सडकों तक संपत्तियों की जांच की जाएगी। नगर निगम के प्रारंभिक आकलन में करीब एक लाख ऐसी संपत्तियां सामने आई हैं, जहां आवासीय भवनों में किसी न किसी रूप में कारोबार संचालित होने की आशंका है। इनमें ब्यूटी पार्लर, सैलून, किराना दुकान, कोचिंग, क्लीनिक, बुटीक और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां शामिल हैं। पूर्व मंत्री कांग्रेस नेता पीसी शर्मा ने भोपाल के मास्टर प्लान को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान के मामले में भ्रष्टाचार हुआ है। कांग्रेस सरकार के समय मास्टर प्लान तैयार कर लिया गया था, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे रोक दिया। पीसी शर्मा ने कहा कि मास्टर प्लान लागू नहीं होने का असर अब शहर की व्यवस्था पर दिखाई दे रहा है। रहवासी इलाकों में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ गई हैं और अब नगर निगम की कार्रवाई के बीच रहवासी और व्यापारी दोनों परेशान हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला तो कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर बड़ा आंदोलन करेगी। 10 से 15 दिन में पूरा करने का लक्ष्य नगर निगम ने सर्वे को तेजी से पूरा करने की तैयारी की है। इसके लिए सभी 21 जोन में विशेष दल बनाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार करीब 10 से 15 दिन में सर्वे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। टीमें मौके पर जाकर देखेंगी कि भवन का स्वीकृत उपयोग क्या है और वास्तविकता में वहां किस तरह की गतिविधि संचालित हो रही है। संपत्ति कर के रिकॉर्ड से भी इसका मिलान किया जाएगा। सडक की चौड़ाई से लेकर जल निकाय तक जांच सिर्फ भवन के इस्तेमाल की जांच ही नहीं होगी। निगम सडक की चौड़ाई, भवन की अनुमति और आसपास की स्थिति का भी सत्यापन करेगा। जल

निकायों और हरित पट्टी वाले क्षेत्रों में स्थित संपत्तियां भी सर्वे के दायरे में रहेंगी। निगम का मकसद यह पता लगाना है कि कितनी संपत्तियां नियमों के अनुसार व्यावसायिक उपयोग में हैं और कितने मामलों में बिना अनुमति आवासीय भवनों में कारोबार किया जा रहा है। मौके पर ही दिया जाएगा नोटिस सर्वे के दौरान यदि किसी भवन में नियमों के विपरीत व्यावसायिक गतिविधि पाई गई तो संबंधित संपत्ति मालिक को मौके पर ही नोटिस देने की तैयारी है। निगम के रिकॉर्ड में फिलहाल करीब 65 हजार व्यावसायिक संपत्तियां दर्ज हैं, जबकि बड़ी संख्या में ऐसी संपत्तियां भी होने का अनुमान है, जहां कारोबार तो चल रहा है, लेकिन व्यावसायिक उपयोग की अनुमति नहीं ली गई। निगम की कार्रवाई आगे बढने पर ऐसे मामलों में सीलिंग तक की कार्रवाई हो सकती है। 15 सितंबर तक सुप्रीम कोर्ट में देनी है रिपोर्ट आवासीय भवनों के व्यावसायिक उपयोग का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। 5 अगस्त की सुनवाई के बाद कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम को 15 सितंबर तक अब तक की कार्रवाई की रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करनी है। इसी समयसीमा को देखते हुए शहरभर में सर्वे की प्रक्रिया तेज की गई है।

कांवड़ यात्रा धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा के साथ प्रतीक है श्रद्धा और सामाजिक एकता का- मुख्यमंत्री

प्रदेश की समृद्ध संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए समुचित प्रबंधन कर रही है राज्य सरकार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए सभी समुचित प्रबंधन कर रही है। सावन का पवित्र माह भगवान शिव की आराधना और भक्ति का पर्व है। मां नर्मदा का जल लेकर निकले कांवड़ यात्रियों का उत्साह अतुलनीय है। संस्कार कांवड़ यात्रा हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं, श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। भगवान शिव की भक्ति से क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो और प्रदेशवासियों का जीवन मंगलमय हो, यही कामना है। कांवड़ यात्रियों को यथा-योग्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। प्रदेश के धर्म स्थलों पर सभी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। संस्कारधानी जबलपुर से शुरू हुई संस्कार कांवड़ यात्रा अद्भुत है, जिसमें पूज्य दादा गुरु के साथ हजारों कांवड़िये भक्ति भाव से साधना के मार्ग पर चल रहे हैं। पूज्य दादा गुरु अन्न छोड़कर केवल नर्मदा मैया का जल गृहण कर स्वस्थ जीवन जी रहे है। उनका त्याग और तपस्या सभी के लिए अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सावन के दूसरे सोमवार को जबलपुर की संस्कार कांवड़ यात्रा में शामिल कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री दादा गुरू के साथ कांवड़ उठाकर संस्कार कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने

कांवड़ियों तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित भी किया। मां नर्मदा के हर कंकर में शंकर दिखाई देते हैं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कांवड़ियों और प्रदेशवासियों को पवित्र श्रावण मास और कांवड़ यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के धर्म के प्रति प्रेम से वातावरण भगवान शिव के जयकारों से गूंज उठा और पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कांवड़ यात्रियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि श्रावण सोमवार के पावन अवसर पर शिव भक्त कांवड़िये नर्मदा मैया का जल लेकर अपना संकल्प पूरा करने के लिए निकले हैं। मां नर्मदा के हर कंकर में शंकर दिखाई देते हैं। पर्व और त्योहार जीवन में उत्साह, उमंग और उल्लास का करते हैं संचार मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पर्व और त्योहार हमारे जीवन में उत्साह, उमंग और उल्लास का संचार करते हैं। परमात्मा हमें चुनौतियों का सामना करने की सामर्थ्य प्रदान करते हैं। जीवन की पवित्रता के माध्यम से परामात्मा तक पहुंचा जा सकता है। ईश्वर सभी प्रदेशवासियों की मनोकामनाएं पूर्ण करें। कांवड़ यात्रा में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, जबलपुर महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक श्री अशोक रोहाणी, विधायक श्री सुशील तिवारी इंदु, विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय, विधायक श्री नीरज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री आशा मुकेश गोंटिया, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, पूर्व विधायक श्री नीलेश अवस्थी, श्री सोनू बचवानी एवं श्री रंजीत पटेल, कॉवड़ यात्रा के संयोजक श्री शिव यादव भी शामिल हुए।

पदोन्नति में देरी से प्रदेश के शिक्षकों में आक्रोश

भोपाल। प्रदेश में नवीन शिक्षक संवर्ग की पदोन्नति प्रक्रिया में शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर शिक्षकों में असंतोष एवं आक्रोश बढ़ रहा है। लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे पात्र शिक्षकों को अब तक स्पष्ट, पारदर्शी एवं समयबद्ध प्रक्रिया का लाभ नहीं मिल पाने से वे निराश हैं। शिक्षकों का कहना है कि पदोन्नति प्रक्रिया वरिष्ठता, पात्रता एवं उपलब्ध रिक्त पदों के आधार पर चरणबद्ध, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से की जानी चाहिए। शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष उपेंद्र कौशल ने यह मामला उठाते हुए कहा है कि यह विभाग पदोन्नति आदेशों में किसी न्यायालयीन निर्णय या अन्य शर्त का उल्लेख करता है, तो विभाग को उसकी स्थिति एवं प्रभाव के संबंध में शिक्षकों को स्पष्ट जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए, ताकि किसी प्रकार का भ्रम उत्पन्न न हो। शासकीय शिक्षक संगठन ने शिक्षा विभाग से मांग की है कि नवीन शिक्षक संवर्ग में प्राथमिक शिक्षक से माध्यमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक से उच्च

माध्यमिक शिक्षक तथा उच्च माध्यमिक शिक्षक से प्राचार्य (हाईस्कूल) पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया में हो रहे अनावश्यक विलंब को समाप्त किया जाए। संगठन ने मांग की है कि विभाग तत्काल स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर पदोन्नति प्रक्रिया को पारदर्शी एवं चरणबद्ध तरीके से पूर्ण करे तथा सभी पात्र शिक्षकों को शीघ्र पदोन्नति का लाभ प्रदान किया जाए। गौरतलब है कि पदोन्नति की कार्यवाही शुरू होने के बाद सभी लगभग विभागों में पदोन्नति का काम हो गया है लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग प्राथमिक माध्यमिक, माध्यमिक से उच्च माध्यमिक और उच्च माध्यमिक से प्राचार्य हाईस्कूल के पदों पर अब तक पदोन्नति कार्यवाही नहीं कर सका है।

देशभक्ति और धर्मभाव के साथ जैन नगर में वषायीग कलश स्थापना सम्पन्न

भोपाल। लालघाटी स्थित श्री शांतिनाथ जिनालय, जैन नगर में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्यों उपाध्याय विश्रुत सागर महाराज एवं मुनि निर्वेद सागर महाराज के वषायोग के शुभारंभ पर भव्य मंगल कलश स्थापना समारोह आयोजित किया गया। भगवान नेमिनाथ की पूजा-अर्चना के साथ हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर जैन आचार्यों के प्रति श्रद्धा अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारंभ चित्र अनावरण, दीप प्रज्ज्वलन और मंगलाचरण से हुआ। महिला मंडलों ने भक्ति नृत्य के माध्यम से जैन दर्शन और सिद्धांतों का सुंदर प्रस्तुतीकरण किया। समारोह के दौरान समाजजनों ने ह्यनमोस्तुह्ल और ह्यशासन जयवंत होह्ल के जयघोषों से पूरे परिसर को भक्तिमय बना दिया। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं और त्यागी-व्रती प्रतिमाधारी श्रद्धालुओं ने भी श्रीफल

अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुनि श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि आत्म-प्रशंसा और निंदा दोनों पाप कर्म हैं, जबकि वात्सल्य, उदारता, उपकार और सद्भाव पुण्य के मार्ग हैं। उन्होंने वषायोग के दौरान धार्मिक एवं आध्यात्मिक साधना के साथ सामाजिक समरसता, सहयोग, जीव दया, गोसेवा, अहिंसा और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्व का पालन करने का संदेश दिया। मुख्य कलश स्थापना का सौभाग्य राजकुमारी, सपन, ममता, विकास, प्रतिभा, अनुभव, अंशु सर्राफ तथा प्रेमचंद जैन परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मंदिर समिति अध्यक्ष निर्मल जैन, अजय ज्योतिष, इंजीनियर पंकज जैन, इंजीनियर गौरव जैन सहित विभिन्न महिला मंडलों, बहु मंडलों, बालिका मंडल और समाज के अनेक पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता का प्रेरक उदाहरण बना।

अपर लेक पर आज से शुरू होगी राजा भोज नेशनल सेलिंग चैम्पियनशिप, 12 राज्यों के 100 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

भोपाल। राजधानी भोपाल के अपर लेक स्थित बोट क्लब में 11 से 16 अगस्त तक राजा भोज मल्टीक्लास नेशनल सेलिंग चैम्पियनशिप (रैंकिंग) 2026 का तीसरा संस्करण आयोजित होगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस छह दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 12 राज्यों और विभिन्न प्रतिष्ठित क्लबों के करीब 100 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के सेलर्स भाग लेकर अपनी तकनीकी दक्षता, संतुलन और रफ्तार का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन याचिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तकनीकी मार्गदर्शन में किया जाएगा। आयोजन की निगरानी के लिए अक के 12 ज्यूरी सदस्य और पदाधिकारी भोपाल पहुंच चुके हैं। साथ ही भारतीय खेल प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी भी प्रतियोगिता से जुड़े रहेंगे। आयोजन के संचालन में मध्यप्रदेश याटिंग एसोसिएशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अपर लेक की अनुकूल जल परिस्थितियों के कारण खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। इस राष्ट्रीय रैंकिंग प्रतियोगिता में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं को भी देश के शीर्ष सेलर्स के बीच अपनी क्षमता साबित करने का अवसर मिलेगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग का मानना है कि ऐसे आयोजनों से प्रदेश में सेलिंग और अन्य वाटर स्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलेगा। मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्ट्स अकादमी में आधुनिक सुविधाओं और विदेशी विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जा रहा है। लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी के चलते भोपाल देश के प्रमुख वाटर स्पोर्ट्स केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। यह चैम्पियनशिप प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करेगी।

35 साल सेवा के बाद भी कर्मचारी खाली हाथ

चौथे समयमान वेतनमान पर घमासान...3 साल से फाइल अटकी, मंत्रालय, विधानसभा और लोकभवन के कर्मचारियों में बढ़ी नाराजगी; अधिकारी-कर्मचारी संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों के चौथे समयमान वेतनमान को लेकर एक बार फिर घमासान शुरू हो गया है। वर्ष 2023 में 35 साल की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को चौथा समयमान वेतनमान देने का निर्णय लिया गया था। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से संबंधित आदेश भी जारी किए गए, लेकिन मंत्रालय, विधानसभा और लोकभवन के कर्मचारियों को तीन साल बाद भी इसका लाभ नहीं मिल पाया है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सरकार ने 35 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों के लिए चौथे समयमान वेतनमान का प्रावधान स्वीकार किया है, तो मंत्रालय सेवा के कर्मचारियों को इसका लाभ देने की प्रक्रिया अब तक पूरी क्यों नहीं हुई। इसको लेकर कर्मचारियों में लगातार असंतोष बढ़ रहा है। मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ का कहना है कि सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी विभागों को समयमान वेतनमान से संबंधित आदेश जारी किए थे। इसके बावजूद मंत्रालय के कर्मचारियों के मामले में निर्णय आगे नहीं बढ़ सका। विधानसभा और

लोकभवन के कर्मचारी भी इसी तरह की स्थिति का सामना कर रहे हैं। संघ का आरोप है कि कर्मचारियों ने इस मुद्दे पर कई बार ज्ञापन दिए और अधिकारियों के साथ वार्ता भी की, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया। न तो चौथा समयमान वेतनमान दिया जा रहा है और न ही सरकार की ओर से लिखित रूप से यह स्पष्ट किया जा रहा है कि कर्मचारियों को इसका लाभ नहीं मिलेगा।

दिन की बची सौर बिजली रात में आएगी काम

स्टोरेज सिस्टम में 85 प्रतिशत ऊर्जा रिन्यूएबल से लेना जरूरी, पीक डिमांड में मिलेगी राहत

भोपाल। मध्य प्रदेश अब सिर्फ ज्यादा से ज्यादा सौर और पवन बिजली पैदा करने पर ही निर्भर नहीं रहेगा, बल्कि दिन में पैदा होने वाली अतिरिक्त बिजली को स्टोर कर जरूरत के समय इस्तेमाल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने ऊर्जा भंडारण व्यवस्था से जुड़े नियमों में बदलाव कर बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम और पम्प्ड स्टोरेज प्लांट को बढ़ावा देने का रास्ता साफ किया है। नए प्रावधान का सबसे बड़ा असर यह होगा कि सौर ऊर्जा उत्पादन के दौरान उपलब्ध अतिरिक्त बिजली को स्टोर करके बिजली की मांग बढने वाले समय, खासकर शाम और रात

के पीक आवर में, इस्तेमाल किया जा सकेगा। यानी दिन में बनी बिजली को उसी समय खपाने की मजबूरी कम होगी और उसे बाद के लिए सुरक्षित रखा जा सकेगा। आयोग ने मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों से विद्युत का सह-उत्पादन तथा उत्पादन, पुनरीक्षण-द्वितीय) विनियम, 2021 में संशोधन किया है। इसके तहत एनर्जी स्टोरेज सिस्टम में सालाना स्टोर की गई कुल ऊर्जा का कम से कम 85 प्रतिशत हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त करना अनिवार्य किया गया है। दिन में बनेगी, रात में काम आएगी बिजली मध्य प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन दिन के समय ज्यादा होता है, जबकि बिजली की मांग कई बार शाम और रात के समय बढ़ जाती है। ऐसे में उत्पादन और खपत के बीच का यह अंतर बिजली व्यवस्था के लिए चुनौती बनता है। नए स्टोरेज सिस्टम में दिन के समय उपलब्ध अतिरिक्त सौर बिजली को बैटरी में जमा किया जा सकेगा। इसी तरह पम्प्ड स्टोरेज प्लांट में बिजली का इस्तेमाल कर पानी को ऊंचाई पर पहुंचाकर ऊर्जा को स्टोर किया जाता है और जरूरत पडने पर उससे दोबारा बिजली बनाई जा सकती है। इससे नवीकरणीय ऊर्जा को केवल उत्पादन के समय इस्तेमाल करने के बजाय जरूरत के समय उपलब्ध कराने की क्षमता बढ़ेगी। पीक डिमांड में ग्रिड को मिलेगा सहारा स्टोरेज व्यवस्था का सीधा फायदा बिजली की पीक डिमांड के समय मिल सकता है। जब एक साथ ज्यादा बिजली की जरूरत होती है, तब स्टोर की गई ऊर्जा को ग्रिड में भेजकर आपूर्ति को संतुलित किया जा सकेगा। इससे ग्रिड पर अचानक बढने वाले दबाव को कम करने और बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ाने में मदद मिल सकती है। खासकर सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी बढने के साथ स्टोरेज सिस्टम को बिजली व्यवस्था के महत्वपूर्ण हिस्से के तौर पर देखा जा रहा है। आयोग ने स्टोरेज को बढ़ावा देने के साथ यह भी सुनिश्चित किया है कि इसका इस्तेमाल नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाने के उद्देश्य से हो। इसलिए सालाना स्टोर की गई कुल ऊर्जा में कम से कम 85 प्रतिशत हिस्सा नवीकरणीय स्रोतों से लेना जरूरी किया गया है।

स्वात्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)